



वर्ष : 05 अंक : 278

लखनऊ, शुक्रवार

23 अक्टूबर 2026

मूल्य : 1 रुपया

पृष्ठ : 06

Email: trinathvartalko@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

अंदर के पृष्ठों पर-पेज-2-स्कूलों के निर्माण में देरी पर सीडीओ नाराज, 3-खेतों में सौर ऊर्जा उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आय : सूर्य प्रताप शाही

संक्षिप्त समाचार

विधान परिषद चुनाव के चलते आज बंद रहेंगे कक्षा 12 तक के सभी स्कूल
त्रिनाथ संवाददाता

प्रयागराज।विधान परिषद चुनाव के चलते प्रयागराज में शुक्रवार को कक्षा 12 तक के सभी विद्यालय बंद रहेंगे। परिषदीय, राजकीय, सहायता प्राप्त और निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों के साथ सीबीएसई व आईसीएसई बोर्ड के विद्यालयों में भी अवकाश घोषित किया गया है।इलाहाबाद,झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के उत्तर प्रदेश विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन.2026 के महेनजर जिले के सभी परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालय शुक्रवार को बंद रहेंगे। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक डा. संतोष कुमार राय और जिला बेंसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने आदेश जारी किया है।आदेश के अनुसार जिले में प्री.प्राइमरी से कक्षा 12 तक संचालित सभी परिषदीय, राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त और वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अवकाश रहेगा। इसके अलावा सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालय भी बंद रहेंगे। अधिकारियों ने सभी संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को आदेश दिया है कि कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

भारत ने पैरा एथलेटिक्स में जीते पांच स्वर्ण, दमदार प्रदर्शन जारी

युएनएस एजेंसी

नागोया।पैरा एशियन गेम्स में भारत के पदक जीतने का सिलसिला चौथे दिन भी जारी रहा। भारत को गुरुवार को सर्वाधिक पदक पैरा एथलेटिक्स में मिले।भारतीय पैरा एथलीटों ने लगातार दूसरे दिन पांच स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत के स्वर्ण पदक की संख्या 21 हो गई।ओरसऑल पदक तालिका में भारत 88 पदकों के साथ चौथे स्थान पर है।भारतीय पैरा एथलीटों ने आइबी।नागोया में जारी पैरा एशियन गेम्स में दमदार प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रखा। भारत ने गुरुवार को कुल 26 पदक अपने नाम किए और पदकों की संख्या 88 पहुंचा दी है। भारत के पैरा एथलीटों ने लगातार दूसरे दिन पांच स्वर्ण पदक अपने नाम किए जिससे पदक तालिका में भारत की स्थिति मजबूत हो गई है।शीतल देवी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में एक और यादगार प्रदर्शन किया है। उन्होंने महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में सिंगापूर की नूर स्याहदा अलीम को 142.139 से हाकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पैरा.आर्चर ने चार अंकों से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और पिछले एशियन पैरा गेम्स में जीते गए। अपने खिलाफ को सफलतापूर्वक बचाव किया। इस जीत के साथ ही आइ.बी.नागोया में शीतल का शानदार सफर पूरा हुआ। इसके अलावा शीतल ने पापल नाम के साथ मिलकर महिलाओं के कंपाउंड डबल्स में सिक्वर मेडल भी जीता।भारतीय तीरंदाज स्वाति चौधरी ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में महिला व्यक्तिगत डब्ल्यू स्पर्धा का रजत पदक जीतकर इतिहास रचा।

14 पीसीएस अधिकारियों के तबादले, निर्वाचन कार्यालय में लगाए गए तीन अधिकारी

त्रिनाथ संवाददाता

लखनऊ।प्रदेश सरकार ने ब्रह्मपतिवार की रात 14 पीसीएस अफसरों को इधर से उधर कर दिया है। चुनाव को देखते हुए यह बदलाव हुआ है। प्रदेश सरकार ने गुरुवार की रात 14 पीसीएस अफसरों को इधर से उधर कर दिया है। विधानसभा चुनाव को देखते हुए तीन पीसीएस अधिकारियों को विशेष कार्याधिकारी के रूप में तैनाती दी गई है।शिव प्रताप शुक्ला एडीएम प्रशासन झांसी से विशेष कार्याधिकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय, संजय चावला एडीएम प्रशासन आजमगढ़ से एडीएम प्रशासन झांसी, सिद्धार्थ एडीएम प्रशासन रायबरेली से एडीएम प्रशासन आजमगढ़ बनाए गए हैं। अशोक कुमार गुप्ता एसडीएम गोंडा से एडीएम प्रशासन रायबरेली, विकास सिंह सहायक नगर आयुक्त लखनऊ नगर निगम से एसडीएम गोंडा, राजीव कुमार शुक्ला अपर नगर आयुक्त प्रयागराज से एडीएम (वि.रा.) आजमगढ़, देवेन्द्र प्रताप सिंह एसडीएम उन्नाव से अपर नगर आयुक्त प्रयागराज, गौरव श्रीवास्तव एडीएम (वि.रा.) सिद्धार्थनगर से विशेष कार्याधिकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय बनाए गए हैं।इसी तरह सदीप कुमार श्रीवास्तव एडीएम न्यायिक इटावा से एडीएम (वि.रा.) सिद्धार्थनगर, मनोज प्रकाश एसडीएम जालौन से एडीएम न्यायिक इटावा, अंकित शुक्ला एसडीएम लखनऊ से एडीएम प्रशासन कानपुर देहात बनाए गए हैं। नरेंद्र सिंह एडीएम (वि.रा.) आजमगढ़ से एडीएम न्यायिक कानपुर देहात, आत्व प्रकाश श्रीवास्तव एसडीएम प्रयागराज से एडीएम न्यायिक सहारनपुर और अभिनव रंजन श्रीवास्तव अपर नगर आयुक्त नगर निगम लखनऊ से विशेष कार्याधिकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय बनाए गए हैं।

सपा ने लगाया मतदाताओं को धमकाने का आरोप

त्रिनाथ संवाददाता

लखनऊ।समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में 11 विधान परिषद सीटों पर मतदान से ठीक पहले मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि 72 जिलों में पुलिस और सत्ता पक्ष द्वारा समर्थकों को वोट डालने से रोका जा रहा है।समाजवादी पार्टी सपा ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीट पर 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान से पहले अपने समर्थक मतदाताओं को धमकाने और मतदान से रोकने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मामले में तत्काल कार्रवाई करने और मतदान स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा भयमुक्त माहौल में कराने की मांग की है।

सच की आवाज, समाज के साथ

त्रिनाथ वार्ता

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गलवां जैसी झड़प से निपटने की तैयारी

आईटीबीपी का प्लान कितना दमदार,एलएसी पर ड्रोन से लेकर भूमिगत बंकर तक

युएनएस एजेंसी

नई दिल्ली।भारत.चीन सीमा पर तैनात आईटीबीपी ने ड्रोन युद्ध क्षमता बढ़ाने, भूमिगत बंकर बनाने और गलवां जैसी स्थिति से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण की तैयारी की है। 2027 तक पूरे बल को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है। आखिर आधुनिक तकनीक सीमा सुरक्षा की रणनीति को कैसे बदलेगी। भारत.चीन सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत.तिब्बत सीमा पुलिस आईटीबीपी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। बल ने सभी सीमा बटालियनों में ड्रोन प्लाटून गठित की हैं। इसके साथ ही वास्तविक नियंत्रण रेखा एलएसी पर बड़े स्तर पर भूमिगत बंकर बनाने की तैयारी की जा रही है। गलवां घाटी जैसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए जवानों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से स्ट्राइक नाम का नया प्रशिक्षण कोर्स भी तैयार किया गया है।आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत सिंह कपूर ने गुरुवार को राजस्थान के अलवर स्थित बल के एक केंद्र में आयोजित अलंकरण समारोह के दौरान जवानों को संबोधित करते हुए ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चीन जैसे शक्तिशाली पड़ोसी का मुकाबला करने के लिए पारंपरिक युद्ध के तरीकों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। इसलिए बल अपने हथियारों, वाहनों, सीमा चौकियों और आधुनिक युद्ध क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। यह कार्यक्रम 24 अक्टूबर को मनाए जाने वाले आईटीबीपी के 65वें स्थापना दिवस से पहले आयोजित किया गया।आईटीबीपी प्रमुख ने बताया कि करीब 95 हजार जवानों वाले इस बल को सरकार से 400 करोड़ रुपये मिले हैं। इसमें से 70 प्रतिशत राशि ड्रोन युद्ध क्षमता बढ़ाने पर खर्च करने के लिए निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक सीमा सुरक्षा बटालियन में ड्रोन प्लाटून मौजूद है। बल ड्रोन पायलटों को प्रशिक्षण देने के साथ खुद ड्रोन बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है।कपूर के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 4,000 करोड़ रुपये की एक बड़ी आधुनिकीकरण योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसमें से 1,000 करोड़ रुपये ड्रोन और ड्रोन रोधी प्रणालियों पर खर्च करने की योजना है। उन्होंने रूस यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि आधुनिक संघर्षों में ड्रोन तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उनके अनुसार ड्रोन और एटी.ड्रोन प्रणालियां छोटे देशों को भी बड़ी सैन्य शक्तियों के खिलाफ प्रभावी चुनौती देने का अवसर देती हैं।आईटीबीपी ने जवानों की युद्ध क्षमता बढ़ाने के लिए

**कान्हा की नगरी में सजेगी लोक संस्कृति, भक्ति और कला की महफिल**

बीएनटी संवाददाता

मथुरा। ब्रज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और भक्ति की अनूठी छटा को जन.जन तक पहुंचाने के लिए योगी सरकार की पहल पर कान्हा की नगरी मथुरा में ब्रज रज उत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। संस्कृति, भक्ति, कला और ब्रज की पहचान थीम पर आधारित यह उत्सव 23 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित होगा। उत्सव का औपचारिक उद्घाटन 24 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी और सांसद हेमा मालिनी करेंगी। उत्सव के माध्यम से ब्रज की सांस्कृतिक परंपराओं, संगीत, नाट्य कला और लोक विरासत को व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने के साथ स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा।ब्रज रज उत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए ब्रज की भक्ति परंपरा और समृद्ध कलात्मक विरासत को जीवंत किया जाएगा। वृंदावन के स्वामी हरिदास जी प्रेक्षागृह में सांसद हेमा मालिनी की ज्यूल्य नाटिका गंगाधर के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसके अलावा सौरभ राज जैन भरे कृष्ण नाटक प्रस्तुत करेंगे। गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी, वृंदावन की

स्ट्राइक नाम का नया कोर्स तैयार किया है। इसका उद्देश्य गलवां घाटी जैसी परिस्थितियों में जवानों को बेहतर तरीके से मुकाबला करने के लिए तैयार करना है। महानिदेशक ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत पूरे बल को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य 2027 के अंत तक रखा गया है। गौरतलब है कि जून 2020

ओर से रासलीला का आयोजन होगा, जबकि शिवानी मिश्रा कलर्स ऑफ यूपी की प्रस्तुति देंगी।उत्सव में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले कलाकारों के साथ ब्रज के स्थानीय लोक कलाकारों और स्कूली छात्र.छात्राओं को भी अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इससे स्थानीय कला, लोक संगीत और पारंपरिक प्रस्तुतियों को नई पहचान देने में मदद मिलेगी। साथ ही नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने और ब्रज की विरासत को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उत्सव में शिल्प मेला, फू. कोर्ट, झूले और जाँय राइड्स भी आकर्षण का हिस्सा होंगे। स्वयं सहायता समूहों, खादी ग्रामोद्योग और प्रदेश सरकार की एक जनपद, एक उत्पाद ओडीओपी तथा एक जनपद, एक व्यंजनप् ओडीओसी योजना के विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। इनके माध्यम से स्थानीय हस्तशिल्प, पारंपरिक उत्पादों और क्षेत्रीय व्यंजनों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।उत्सव स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन के लिए मंच उपलब्ध कराएगा। इस तरह ब्रज रज उत्सव सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के साथ स्थानीय कला, शिल्प और पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा देने का माध्यम बनेगा।

में लड़ाख की गलवां घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हिंसक झड़प हुई थी। इस घटना में भारत के 20 जवानों की जान गई थी। चीन ने बाद में अपने चार सैनिकों की मौत की पुष्टि की थी। इसके अलावा आईटीबीपी ने शीयं कमांडो नाम से एक नई लड़ाकू टीम भी गठित की है।

कैप्टन मच्छर होंगे साथ

इस्त्राइली स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने का पीएम को न्योता

युएनएस एजेंसी

तेल अविव।इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पीएम नरेंद्र मोदी को अपने देश के स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने का निमंत्रण दिया है। इस कार्यक्रम में 174 यात्रियों की जान बचाने वाले बहादुर भारतीय पायलट के भी शामिल होने के लिए भी न्योता दिया है। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। उन्हें अपने देश के स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी को भारतीय पायलट स्मित मच्छर के साथ मशाल प्रज्वलित करने का निमंत्रण दिया। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने पीएम मोदी को अपना मित्र कहते हुए भारत और इस्त्राइल के पुराने संबंधों की



सराहना की। उन्होंने आगे बताया कि पीएम मोदी ने इस निमंत्रण के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इस्त्राइल जमीन और हवा, दोनों जगह आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत और वर्षों पुराने संबंधों की भी सराहना की।प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके इस्त्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू का फोन आया। दोनों नेताओं ने भारत और इस्त्राइल के संबंधों में लगातार बनी गति का स्वागत किया।

विधान परिषद की 11 सीटों के लिए 14.81 लाख मतदाता 72 जिलों में करेंगे वोटिंग

त्रिनाथ संवाददाता



लखनऊ।यूपी विधान परिषद की 11 सीटों के लिए शुक्रवार को चुनाव होना है। इनमें से पांच खंड स्नातक और छह खंड शिक्षक की सीटें हैं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के पांच खंड स्नातक और छह खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक निर्वाचन.2026 के लिए शुक्रवार को मतदान होगा। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक चलेगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार कानपुर नगर, कानपुर देहात और उन्नाव को छोड़कर प्रदेश के सभी 72 जनपदों में मतदान कराया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक इन चुनावों में कुल 14,81,310 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसके लिए 2,697 मतदान स्थल बनाए गए हैं। चुनाव मैदान में कुल 152 प्रत्याशी हैं।पांच खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में लखनऊ, आगरा, मेरठ,



मिश्रा आयुर्वेदिक औषधि विक्री केन्द्र

मिश्रा आयुर्वेदिक औषधि विक्री केन्द्र

वरिष्ठ आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श

डॉ. जय कृष्ण पाण्डेय

प्रतिदिन – प्रातः 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक

डॉ. विपुल श्रीवास्तव

प्रतिदिन – सायं 6:30 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक

36, चन्दर नगर मार्केट, (चन्दार नगर गेट के पास), आलमबाग, लखनऊ

फोन नं. 6306828924

संक्षिप्त समाचार

निराला प्रेक्षागृह में किसान आंदोलन, सैकड़ों किसानों ने उठाए समस्याओं से जुड़े मुद्दे

त्रिनाथ संवाददाता

उन्नाव। शहर स्थित निराला प्रेक्षागृह में भारतीय किसान यूनियन किसान अराजनैतिक की ओर से किसान आंदोलन का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में किसान शामिल हुए। कार्यक्रम में किसानों की समस्याओंएं उनके हितों और कृषि से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन किसान अराजनैतिक के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी और संगठन के जिलाध्यक्ष किरण सिंह पटेल ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। आयोजन के दौरान किसान संगठन के पदाधिकारियों और किसानों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई। किसान आंदोलन के माध्यम से किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों की मौजूदगी रही।

उन्नाव पुलिस ने साइबर ठगी के दो पीड़ितों को वापस कराए 41 हजार रुपये

त्रिनाथ संवाददाता

उन्नाव। साइबर ठगी के मामलों में कार्रवाई करते हुए, सदर कोतवाली की साइबर टीम ने दो पीड़ितों के खातों में कुल 41 हजार रुपये वापस कराए हैं। एक पीड़ित के मोबाइल में फर्जी एप डाउनलोड करने के बाद खातों से रकम निकल गई थी, जबकि दूसरी पीड़िता के मोबाइल पर आए लिंक पर क्लिक करते ही खाते से रुपये कट गए थे। पुलिस की कार्रवाई के बाद दोनों को उनकी ठगी गई रकम वापस मिल गई। पुलिस के अनुसार, पहला मामला 24 अगस्त 2026 का है। ललउखड़ेड़ निवासी सतीश कुमार चौरसिया पुत्र भीष्म प्रसाद ने साइबर पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि मोबाइल में फर्जी एप डाउनलोड करते ही उनके बैंक खाते से रुपये कट गए और मोबाइल स्वतः फॉर्मेट हो गया। शिकायत पर साइबर टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए 22 अक्टूबर को उनके खाते में 36 हजार रुपये वापस कराए। दूसरा मामला डीएसएन रोड स्थित टाइप-2 कॉलोनी निवासी नीलम शुक्ला पत्नी कुलदीप कुमार शुक्ला का है। उन्होंने 20 अक्टूबर को साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि मोबाइल पर आए एक लिंक पर क्लिक करते ही उनके खाते से रुपये कट गए। मामले में सदर कोतवाली की साइबर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 22 अक्टूबर को उनके खाते में पांच हजार रुपये वापस कराए। साइबर ठगी के दोनों मामलों में कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक चन्द्रकान्त मिश्र, अपर उपनिरीक्षक नईम खान और महिला आरक्षी सोनिया शर्मा शामिल रहे। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें और मोबाइल में किसी भी अज्ञात या संदिग्ध एप को डाउनलोड करने से बचें। किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

दुर्गा पशु मेले में दंगल प्रतियोगिता का आयोजन

त्रिनाथ संवाददाता



प्रतापगढ़। जनपद के कुंडा क्षेत्र अंतर्गत बाबूगंज में भररी रियासत के संयोजन में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले ऐतिहासिक दुर्गा पशु मेले में विजयादशमी के दूसरे दिन विशाल दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया भी दंगल प्रतियोगिता में सम्मिलित होने पहुंचे। बाबूगंज का यह ऐतिहासिक मेला और क्षत्री की पुरानी परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण जनजीवन से जुड़ा हुआ है। मेले में आयोजित दंगल प्रतियोगिता पहलवानों को अपनी कुश्ती कला और दमखम दिखाने का अवसर प्रदान करती है। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह रहता है। दंगल भारतीय पारंपरिक खेलों की समृद्ध विरासत का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने के साथ ही युवा पीढ़ी को भी कुश्ती जैसी पारंपरिक विधाओं के प्रति आकर्षित होने का अवसर मिलता है। राजा भइया के दंगल में पहुंचने से आयोजन की चर्चा और बढ़ गई। बाबूगंज का दुर्गा पशु मेला प्रतिवर्ष अपनी ऐतिहासिक पहचान और पारंपरिक आयोजनों के चलते क्षेत्र में विशेष महत्व रखता है।

भरत मिलाप देख भर आई श्रद्धालुओं की आंखें, कलाकार हुए सम्मानित

त्रिनाथ संवाददाता

लालगंज,प्रतापगढ़। सगरा सुंदरपुर बाजार के लक्ष्मणपुर रोड पर राम भरत मिलाप को देख श्रद्धालुओं की आंखें भर आईं। जय मां दुर्गा पूजा एवं श्रीराम लीला समिति की ओर से दस दिनों तक मनमोहक रामलीला के मंचन के तहत भरत मिलाप देखने बड़ी संख्या में लोगों को जुटा देखा गया। बाजार की सड़कों पर निकाली गई भव्य झांकियों पर पुष्पवर्षा भी हुई। भक्तों ने शंकर पार्वती, राधा कृष्ण, मां काली, सुदामा, विष्णु, कमल दरबार, नन्दी ताण्डव और शिव ताण्डव की झांकियों को अपलक निहारा। मुख्य अतिथि अभय सिंह उर्फ मुन्ना ने श्रीरामलीला के भव्य मंचन से जुड़े कलाकारों को सम्मानित किया। राम के रूप में अभिषेक गुप्ता, लक्ष्मण के चरित्र में आदर्श गुप्ता तथा भरत के किरदार में प्रधुमन मिश्र और शत्रुघ्न के चरित्र में अश्वपूज सावरल तथा मां सीता के किरदार में अर्यन जायसवाल व हनुमान जी के किरदार में विजय वैश्य तथा बाल हनुमान के किरदार में अंकुश गुप्ता के सराहनीय अभिनय के लिए समिति द्वारा इन्हें माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

कानपुर नगर/उन्नाव/आसपास,

भरत मिलाप पर्व के दृष्टिगत डीएम व एसपी गश्त कर लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

त्रिनाथ संवाददाता

प्रतापगढ़। भरत मिलाप पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रतापगढ़ अभिषेक पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) आलोक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) नृजनन्दन राय, क्षेत्राधिकारी नगर आशुतोष मिश्रा, क्षेत्राधिकारी लालगंज राजीव द्विवेदी एवं क्षेत्राधिकारी कार्यालय प्रेम प्रकाश सिंह के साथ थाना कोतवाली नगर क्षेत्रांतर्गत पैदल

गश्त की गई। पैदल गश्त के दौरान अधिकारियों द्वारा प्रमुख मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा इट्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा भरत मिलाप पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु निरंतर सतर्कता बरती जा रही है।

घाव भरने की प्रक्रिया में प्रतिरक्षा कोशिकाओं की भूमिका पर शैक्षणिक सेमिनार आयोजित

त्रिनाथ संवाददाता

कानपुर नगर। दयानंद गल्स' पीजी कॉलेज, कानपुर के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा एएनडी कॉलेज, कानपुर के सहयोग से दोनों संस्थानों के मध्य हुए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, घाव भरने की प्रक्रिया में प्रतिरक्षा कोशिकाओं की भूमिका, विषय पर एक शैक्षणिक सेमिनार का आयोजन किया गया। प्राचार्या प्रो. वंदना निगम ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं अनुसंधान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निदेशक प्रो. अर्चना वर्मा ने भी अपने संबोधन में अतिथियों का स्वागत किया तथा विद्यार्थियों के ज्ञान एवं कौशल के विकास में अकादमिक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश



डाला। जंतु विज्ञान विभाग की प्रभारी प्रो. अंजली श्रीवास्तव ने सेमिनार की विषयवस्तु पर प्रकाश डालते हुए घाव भरने की प्रक्रिया में प्रतिरक्षा कोशिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका तथा इसकी वैज्ञानिक प्रासंगिकता को रेखांकित किया। मुख्य वक्ता प्रो. राकेश कुमार माझी ने अपने व्याख्यान में बताया कि न्यूट्रोफिल और मैक्रोफेज जैसी प्रतिरक्षा कोशिकाएँ संक्रमण से बचाव, सूजन के नियंत्रण तथा क्षतिग्रस्त ऊतकों की मरम्मत एवं

पुरवा में आबकारी विभाग की छापेमारी, 26 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

त्रिनाथ संवाददाता

उन्नाव। अवैध मदिरा की बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम ने पुरवा तहसील क्षेत्र में छापेमारी कर 26 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। मामले में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धारा के तहत एक अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन की मंशा के अनुरूप आबकारी आयुक्त के आदेश पर जिले में अवैध मदिरा की बिक्री और परिवहन के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 21 अक्टूबर 2026 को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-4 पुरवा निशांत सिंह ने अपनी टीम और स्थानीय पुलिस के साथ थाना मौरावा क्षेत्र के ग्राम



अहेसा और पारा बाजार में विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने 26 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की। उन्होंने बताया कि अभियान जिलाधिकारी चन्गरामा मीना, पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, संयुक्त आबकारी आयुक्त लखनऊ जोन और उप आबकारी आयुक्त लखनऊ प्रभार के निर्देशन में चलाया जा रहा है। जिला आबकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कला कुंज का भव्य डार्डिया एवं गरबा महोत्सव, 200 प्रतिभागियों ने बिखेरा रंग

त्रिनाथ संवाददाता

कानपुर नगर। कला कुंज संस्था की फाउंडर डा. राखी बाजपेई के नेतृत्व में बुधवार को भव्य डार्डिया एवं गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आई करीब 200 महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं की गरबा एवं डांडिया प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को उत्सवभय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कला कुंज संस्था की विशिष्ट अतिथि एवं सुप्रसिद्ध फुड ब्लॉगर नलिनी ने किया। इसके पश्चात कला कुंज की फाउंडर डा. राखी बाजपेई एवं को.फाउंडर डा. विजयलक्ष्मी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध लोक गायिका



भारती त्रिपाठी ने वरिष्ठ नागरिक के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए संस्था एवं प्रतिभागियों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर डा. राखी बाजपेई ने कहा कि कला कुंज का उद्देश्य महिलाओं को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और हुनर को मंच प्रदान करना है। डांडिया एवं गरबा महोत्सव जैसे आयोजन महिलाओं को अपनी विजयलक्ष्मी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध लोक गायिका

त्रिनाथ संवाददाता

उन्नाव। प्रदेश को वर्ष 2027 तक बाल श्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य के तहत गुरुवार को श्रम विभाग की टास्क फोर्स ने चकलवंशी और सफीपुर क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान खतरनाक प्रक्रिया से जुड़े एक प्रतिष्ठान और गैरखतरनाक प्रक्रिया से जुड़े पांच प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभियान में कुल छह बाल एवं किशोर श्रमिकों का चिह्नंकन किया गया। सहायक श्रमायुक्त एसएन नागेश ने बताया



कि जिलाधिकारी के निर्देश पर गठित टास्क फोर्स ने 22 अक्टूबर को बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित 2016) तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015

के तहत कार्रवाई की। अभियान का उद्देश्य बाल एवं किशोर श्रमिकों का चिह्नंकन कर उन्हें श्रम से मुक्त कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है।

श्रम प्रवर्तन अधिकारी राजेंद्र कुमारए इन्दीवर जोशी और राधेश्याम सिंह ने संयुक्त रूप से अभियान चलाया। टीम ने खतरनाक प्रक्रिया वाले एक प्रतिष्ठान में एक बाल एवं किशोर श्रमिक तथा गैरखतरनाक प्रक्रिया

विजयादशमी पर राजा भइया ने किया पारंपरिक शस्त्र पूजन

त्रिनाथ संवाददाता

प्रतापगढ़। विजयादशमी के पावन पर्व पर कुण्डा विधायक एवं जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया ने राजभवन बेटी कोठी में पारंपरिक शस्त्र पूजन किया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि.विधान से पूजा-अर्चना संपन्न हुई। कार्यक्रम में प्रतापगढ़ सहित अन्य जिलों और राज्यों से पहुंचे समर्थकों के 500 से अधिक लाइसेंसी हथियार पूजन के लिए सजाए गए। केसरिया साफा और धोती-कुर्ता धारण कर राजा भइया ने सनातन परंपरा के अनुरूप शस्त्र पूजन किया। उन्होंने अपने परिवार के आठ शर्यों की पूजा की, जबकि अन्य हथियार समर्थकों के लाइसेंसी असलह थे। आचार्य पंडित अतुल



महाराज संग पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया। इसके बाद आरती हुई और उपस्थित लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। लगातार दूसरे वर्ष विजयादशमी पर समर्थकों के साथ सामूहिक शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया। पूजन के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए राजा भइया ने कहा कि शस्त्र पूजन सनातन संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह असत्य पर सत्य की विजय और धर्म की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। विजयादशमी पर शस्त्र पूजन की परंपरा अनादि काल से चली आ रही है और उनके परिवार में भी इसका लंबे समय से निर्वहन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपनी

स्कूलों के निर्माण में देरी पर सीडीओ नाराज

कार्यदायी संस्था को नोटिस देने के निर्देश



प्रतिशत आकलन पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मेंटर्स को युनिक विजिट करने और आगामी माह में प्रस्तावित निपुण आकलन की बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। ड्रॉपबॉक्स पर प्रदर्शित बच्चों की संख्या को भी इंग्रेट करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान पिछले वर्ष की तुलना में

नवीन नामांकन कम होने पर सीडीओ ने नाराजगी जताई। उन्होंने नामांकन बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने और जिले में व्यापक स्तर पर अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) आयोजित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के साथ बच्चों की नियमित उपस्थिति और सीखने के स्तर पर भी ध्यान दिया जाए। बैकड्र में जिले में संचालित रीडिंग कैपेन की भी

श्री नारायण गल्स पीजी कॉलेज में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित

त्रिनाथ संवाददाता

उन्नाव। सिविल लाइन स्थित श्री नारायण गल्स पीजी महाविद्यालय में गुरुवार को जिला सेवायोजन कार्यालय और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के संयुक्त तत्वावधान में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्राओं को करियर के विभिन्न विकल्पों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, रोजगार के अवसरों और भविष्य की बेहतर योजना बनाने के संबंध में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि सही समय पर अपनी रुचि और योग्यता के अनुरूप करियर का चुनाव करना उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी है। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डा. सुरभि मिश्रा और जिला सेवायोजन अधिकारी प्रीति चंद्रा के



मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के प्रवक्ता अनुपम सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि करियर का चुनाव करते समय अपनी रुचिए योग्यता, क्षमता और पारिवारिक परिस्थितियों को ध्यान में रखना चाहिए। सफलता के लिए संसाधनों के साथ अनुशासन, निरंतर प्रश्रमण और सही दिशा में प्रयास करना भी जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय रहते लक्ष्य निर्धारित करने और असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल ने बालिकाओं की समस्याओं के समाधान एवं कौशल प्रशिक्षण के संबंध में दिए निर्देश

राज्यपाल ने कानपुर नगर के स्वरूप नगर स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका), यूनिट-1 का भ्रमण

त्रिनाथ संवाददाता

कानपुर नगर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को कानपुर नगर के स्वरूप नगर स्थित राजकीय बाल गृह (बालिका), यूनिट-1 का भ्रमण कर वहां रह रही बालिकाओं से संवाद किया। उन्होंने उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने बाल गृह में उपलब्ध सुविधाओं एवं संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालिकाओं को शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न कौशल सीखने, अच्छे संस्कार अपनाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। संवाद के दौरान बालिकाओं ने स्वच्छता, आरओ के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सहित अन्य समस्याओं से राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल ने इन समस्याओं के निराकरण के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने बालिकाओं से उनकी पढ़ाई, दैनिक दिनचर्या, रुचियों और सीख रही गतिविधियों के बारे में बातचीत की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को उनकी रुचि एवं



क्षमता के अनुरूप विभिन्न कौशल प्रशिक्षण और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जाए, ताकि उनकी प्रतिभा विकसित हो और वे भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। उन्होंने बालिकाओं को अनुशासन में रहने, अच्छे संस्कार अपनाने, मन लगाकर पढ़ाई करने और निरंतर नई चीजें सीखने के लिए भी प्रोत्साहित किया। बालिकाओं ने अपने कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता के लिए ब्यूटी पार्लर, जूडो-कराटे तथा अन्य विविध व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किए जाने का अनुरोध किया। राज्यपाल ने बालिकाओं की रुचियों एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके प्रशिक्षण

के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बालिकाओं को नियमित स्कूली शिक्षा से जोड़ने के साथ-साथ उनके कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। बाल गृह में ऐसी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए, जिनसे बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़े और वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। संवाद के दौरान बालिकाओं ने जन भवन एवं वाटर पार्क भ्रमण की इच्छा व्यक्त की। इस पर राज्यपाल ने संबंधित अधिकारियों को उनके भ्रमण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, जन भवन में संचालित सकारात्मक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों से भी बालिकाओं को

परिचित कराने को कहा। इस अवसर पर राज्यपाल ने बालिकाओं को उपहार भेंट किए और उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल ने बाल गृह के रसोईघर, आवासीय कक्षों और चिकित्सा कक्ष सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बालिकाओं से भोजन, आवास, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। बाल गृह में हुए सकारात्मक बदलावों की सराहना करते हुए उन्होंने अधिकारियों को बालिकाओं की शिक्षा, सुखा, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास पर निरंतर ध्यान देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर प्रमिला पांडेय, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. संजीव गुप्ता तथा हरकोट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समशेर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिव पुराण कथा स्थल का डीएम ने किया निरीक्षण

त्रिनाथ संवाददाता

उन्नाव। बीचापुर तहसील के गौरी ग्राम सभा परिसर में 30 अक्टूबर से पांच नवंबर तक आयोजित होने वाली शिव पुराण महाकथा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को जिलाधिकारी चन्गरश्याम मीना ने निरीक्षण किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह की मौजूदगी में उन्होंने आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को कथा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सुगुहा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान डीएम ने पार्किंग स्थल, हेलीपैड, मुख्य मंच, भोजन व्यवस्था, शौचालय, मेडिकल शिविर, विद्युत सुरक्षा, बीआईपी गैलरी, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने

संक्षिप्त समाचार

फैजुल्लागंज में दूसरे दिन भी बर्दों राशन किटए बाढ़ पीड़ितों को राहत

त्रिनाथ संवाददाता
लखनऊ। फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने का सिलसिला गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह की पहल से अक्षय पात्र फंडेशन की ओर से चलाए जा रहे अभियान के तहत जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित की गई। राहत सामग्री मिलने से बाढ़ की मार झेल रहे परिवारों को मदद मिली। विधायक डा. नीरज बोरा और रक्षा मंत्री के विशेष कार्य अधिकारी केपी सिंह की मौजूदगी में वितरण अभियान को गति दी गई। इस दौरान प्रभावित क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने पर विशेष जोर रहा।अभियान में पार्षद अंकुश बाजपेयी, सतीश वमा, अनुगम साहू, राम चरण सिंह, प्रदीप शुक्ला, सत्य देव, शैलेंद्र मोर्य, संचिन गुप्ता, श्रेया निगम और शाहिद सफ़ित बड़ी संख्या में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया। सभी ने बाढ़ प्रभावित परिवारों तक राशन किट पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

सुविधाएं बढ़ीं तो देवी धामों को उमड़े श्रद्धालु, शारदीय नवरात्र में आस्था ने रचा नया अध्याय

लखनऊ।देवी मंदिरों के विकास और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के विस्तार के प्रयासों से धार्मिक पर्यटन को नई गति मिल रही है। वर्ष 2017 से योगी सरकार प्रमुख देवी धामों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। इसका असर नवरात्र के दौरान विभिन्न मंदिरों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। मीरजापुर के मां विंध्यवासिनी धाम में पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार नवरात्र में अधिक श्रद्धालु पहुंचे। वहीं प्रयागराज के अलौपी देवी मंदिर और लखनऊ के बड़ी काली जी मंदिर में भी लाखों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ क्षेत्रीय स्तर पर प्रसिद्ध देवी मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही धार्मिक पर्यटन की व्यापक संभावनाओं को सामने ला रही है।मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक स्थलों के संरक्षण, विकास और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2017 से देवी मंदिरों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयास इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रदेश के 19 जिलों के 20 देवी स्थलों पर करीब 83 करोड़ रुपये की लागत से 22 प्रमुख परियोजनाएं शामिल की गई हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से मंदिरों में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और बेहतर अनुभव मिल सके। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के प्रमुख देवी धामों के साथ अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को भी बेहतर सुविधाओं से जोड़कर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए।मीरजापुर स्थित मां विंध्यवासिनी धाम में इस वर्ष नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई। श्री विंध्य पंडा समाज के अध्यक्ष पंकज द्विवेदी ने बताया कि पिछले वर्ष नवरात्र में करीब 20 से 22 लाख श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंचे थे, जबकि इस वर्ष यह संख्या 30 लाख से अधिक रही। नवरात्र के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

योगी सरकार में सुदृढ़ कानून.व्यवस्था और निर्बाध बिजली आपूर्ति से कारोबार को मिली नई रफ्तार

त्रिनाथ संवाददाता
लखनऊ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून.व्यवस्था और बिजली आपूर्ति में सुधार ने कारोबार के विकास को महत्वपूर्ण आधार प्रदान किया है। एक तरफ, जहां गांव से लेकर शहर तक बेहतर बिजली आपूर्ति से दुकानों, बाजारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन को सहूलियत मिल रही है। वहीं सरकार की ज़ीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों और संगठित अपराध के खिलाफ की गई कार्रवाई से न सिर्फ व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है बल्कि बाजारों में भयमुक्त माहौल का वातावरण स्थापित हुआ है। इसके चलते देर रात तक जगमगाते बाजार प्रदेश की बदलती व्यावसायिक गतिविधियों की तस्वीर पेश कर रहे हैं। योगी सरकार की प्राथमिकताओं में गांव से महानगर तक बेहतर बिजली आपूर्ति और कानून.व्यवस्था बनाए रखना शामिल है। योगी सरकार ने अपराध और संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के लिए ज़ीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई तेज की है। पुलिस की सख्ती, गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई, संपत्तियों की कूकी और अवैध गतिविधियों पर निगरानी के ज़रूए अपराध निंत्रण पर जोर दिया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य आम नागरिकों और व्यापारियों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना है। बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु रूप से संचालित करने में मदद मिलती है। वहीं पुलिसकर्मी दिन.रात गश्त कर कानून.व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों को सुरक्षा सुनिश्चित करने में जुटे हैं।

प्रतिष्ठित राजाजीपुरम में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, स्कूल और कोचिंग के सामने कूड़े का अंबार

जोन-2 के सी-ब्लॉक में नालियां कूड़े से पटीं, बदबू और मच्छरों से परेशानी; पार्षद की निगरानी और अधिकारियों के तालमेल पर सवाल

त्रिनाथ संवाददाता



लखनऊ। राजधानी के प्रतिष्ठित इलाकों में शुमार राजाजीपुरम के सी-ब्लॉक नगर निगम की बद्दहाल सफाई व्यवस्था की तस्वीर पेश कर रहा है। मॉडर्न इंडियन स्कूल (MIS) और सामने स्थित प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान के पास कूड़े का विशाल ढेर लगा है। नालियां गंदगी से पटी हैं। बदबू और मच्छरों के प्रकोप से आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है। मुख्य मार्ग होने के कारण यहां से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। स्कूली बच्चों और कोचिंग आने वाले विद्यार्थियों को भी गंदगी का सामना करना पड़ रहा है।

पार्षद की निगरानी बेअसर, अधिकारियों के तालमेल पर सवाल

स्वच्छता में नंबर वन का दावा, मुख्य सड़क पर कूड़े का पहाड़

क्षेत्र की बद्दहाली स्थानीय पार्षद की सक्रियता और निगरानी पर सवाल खड़े कर रही है। वहीं, जोन-2 के जोनल अधिकारी और जोनल सेनेटरी अफसर के बीच समन्वय को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आखिर नियमित सफाई और कूड़ा उठान की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है?

नगर निगम लखनऊ को स्वच्छता सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान दिलाने का दावा कर रहा है, लेकिन प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के सामने कूड़े का अंबार इन दावों की हकीकत बयां कर रहा है। सवाल यह है कि जब स्कूलों के सामने सफाई नहीं हो पा रही, तो पूरे शहर को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य कैसे पूरा होगा?

लोगों की प्रमुख समस्याएं

- नालियों में कूड़ा भरने से पानी की निकासी बाधित
- बदबू और मच्छरों के प्रकोप से स्वास्थ्य पर खतरा
- स्कूल और कोचिंग आने वाले बच्चों व विद्यार्थियों को परेशानी
- मुख्य मार्ग होने के कारण हजारों लोगों का रोजाना आवागमन
- कूड़ा उठान में अनियमितता, क्षेत्र में सफाईकर्मी कम दिखते हैं

उठ रहे ये सवाल

- क्या पार्षद की निगरानी क्षेत्र में कारगर है?
- जोन-2 के जोनल अधिकारी और जोनल सेनेटरी अफसर के बीच समन्वय क्यों नहीं?
- स्कूलों के सामने भी सफाई नहीं, तो स्वच्छता सर्वेक्षण में नंबर वन का दावा कैसे?
- नियमित कूड़ा उठान और नालियों की सफाई की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है?

खेतों में सौर ऊर्जा उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आय: सूर्य प्रताप शाही

त्रिनाथ संवाददाता

लखनऊ।नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित 7वें एग्रीवोल्टिक्स विश्व सम्मेलन,2026 में उत्तर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि से अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रतिभाग किया। सम्मेलन में कृषि और सौर ऊर्जा के समन्वय एग्रीवोल्टिक्स पर आधारित अत्याधुनिक तकनीकों, किसानों की आय संवर्धन, टिकाऊ ऊर्जा के विस्तार तथा कृषि के आधुनिकीकरण पर गहन विचारविमर्श हुआ। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कृषि क्षेत्र में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के कृषक हितार्थ उपयोग तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस दिशा में उठाए जा रहे अभिनव कदमों की विस्तृत जानकारी दी।सम्मेलन को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की खाद्य सुरक्षा का मुख्य आधार स्तंभ है और खाद्यान्न उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार ने एग्रीवोल्टिक्स को बढ़ावा देने के लिए पारदर्शी और

किसान.हितैषी नीति लागू की है। सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए भूमि लीज पर दिए जाने की स्थिति में भी जमीन का मालिकाना हक पूरी तरह किसान के पास सुरक्षित रहेगा। इसके साथ ही निजी नलकूपों को सौर ऊर्जा से जोड़कर किसानों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।कृषि मंत्री ने बताया कि बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में सौर विकिरण की प्रचुरता के कारण सौर ऊर्जा को अपार संभावनाएं हैं। ऊंचे खंभों पर सोलर पैनल स्थापित कर उसके नीचे दलहन, तिलहन, फूलों की खेती तथा प्राकृतिक व जैविक फसलें सुगमता से उगाई जा सकती हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में पीएम.कुसुम योजना एवं पंपों के सोलराइजेशन के लिए भारी बजट का प्रावधान किया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्रालय से कार्ययोजना की अधिसूचना शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया, ताकि योजनाओं को धरातल पर उतारकर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किया।

यूपी में अब अन्नदाता बनेंगे ऊर्जादाता वर्ष 2047 तक 150 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य

एग्रीवोल्टाइक वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने रखा यूपी का विजन; वाराणसी में लगेगा 100 किलोवाट का पायलट प्लांट

त्रिनाथ संवाददाता



एक ही खेत में होगी खेती और बिजली उत्पादन

मंत्री एके शर्मा ने बताया कि एग्रीवोल्टाइक तकनीक से ऊंचे सोलर पैनलों के नीचे भी खेती संभव होगी। इससे किसानों की आय बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) से इस तकनीक के लिए सहायता पाने वाला यूपी देश का पहला राज्य है। वाराणसी के भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (ICAR-IIVR) में 100 किलोवाट का पायलट प्लांट स्थापित किया जाएगा।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सौर ऊर्जा क्रांति

● पीएम सूर्य घर योजना के तहत करीब 9 लाख घरों में लगा चुके हैं सोलर सिस्टम

● पीएम-कुसुम योजना में भी यूपी देश में अग्रणी

● कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG) के क्षेत्र में शीर्ष पावरदन पर प्रदेश

2030 तक 32 GW, 2047 तक 150 GW

● वर्ष 2030 तक 32 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य

● वर्ष 2047 तक 150 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य

● वैश्विक निवेशकों को यूपी में निवेश के लिए आमंत्रित किया

यूपी को क्यों मिल रही वैश्विक पहचान

● एग्रीवोल्टाइक के लिए ADB से तकनीकी सहायता पाने वाला पहला राज्य

● वाराणसी में 100 किलोवाट का पायलट प्रोजेक्ट

● किसानों की आय में वृद्धि और जलवायु बदलाव से निपटने में सहायक तकनीक

बैठक

क्रय केन्द्रों पर किसानों से धान क्रय करने में अनावश्यक जटिलता से किसानों को बचा : मनोज कुमार पाण्डेय

त्रिनाथ संवाददाता

लखनऊ।उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद तथा नगरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आज बापू भवन स्थित उनके कार्यालय में खरीफ विपणन पत्र 2026.27 के अंतर्गत धान खरीद व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए जाने के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त राइस मिलर्स संघों के प्रतिनिधियों तथा विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि धान खरीद से

संबंधित प्रत्येक व्यवस्था की प्रभावी निगरानी की जाए तथा किसानों एवं राइस मिलर्स से प्राप्त समस्याओं का स्वेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समयबद्धता सुनिश्चित करना प्रत्येक अधिकारी का दायित्व है।मंत्री ने स्पष्ट किया कि धान खरीद में किसी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही, भ्रष्टाचार अथवा किसानों के उत्पीड़न की

शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में प्रदेश के विभिन्न राइस मिलर्स संघों के प्रतिनिधियों ने धान खरीद नीति, चावल की रिकवरी, प्रोत्साहन राशि, मिलों के सम्बद्धीकरण, कस्टम मिल्ड राइस सीएमआर के सम्पददान, भण्डारण, परिवहन, होल्लिंडज चार्ज एवं लॉबित भुगतान सहित विभिन्न विषयों पर अपनी समस्याएँ एवं सुझाव प्रस्तुत किए। मंत्री ने सभी प्रतिनिधियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा

संबंधित अधिकारियों को प्रस्तुत माँगों का नियमानुसार परीक्षण कर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों के संरक्षण, उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने तथा धान खरीद व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राइस मिलर्स धान खरीद एवं चावल आपूर्ति व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं तथा उनकी व्यावहारिक समस्याओं का

समाधान किया जाना आवश्यक है।बैठक में राइस मिलर्स संघों द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026.27 में समाप्त की गई करने तथा उसमें वृद्धि किए जाने की माँग प्रमुखता से उठाई गई। विभिन्न संघों ने प्रोत्साहन राशि रु0 35 प्रति कुंतल से बढ़ाकर रु0 50 तथा रु0 100 प्रति कुंतल किए जाने के संबंध में अपने.अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए।मंत्री ने अधिकारियों को इन प्रस्तावों का वित्तीय एवं नीतिगत परीक्षण करने के निर्देश दिए।राइस मिलर्स प्रतिनिधियों ने

हाइब्रिड धान की कुटई में चावल की रिकवरी संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए वर्तमान 1.5 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 2 प्रतिशत किए जाने तथा क्षतिपूर्ति संबंधी प्रावधानों की समीक्षा का अनुरोध किया। मंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों एवं लागू नीतियों के आलोक में इन माँगों का परीक्षण करने के निर्देश दिए।बैठक में मिलों के ऑनलाइन सम्बद्धीकरण की प्रक्रिया को अधिक सरल एवं व्यावहारिक बनाए जाने पर भी चर्चा हुई।

राइस मिलर्स ने स्वचालित सम्बद्धीकरण के साथ स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप मैनुअल सम्बद्धीकरण का विकल्प उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्बद्धीकरण संबंधी व्यवस्थाओं का परीक्षण कर धान खरीद कार्य में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होने दिया जाए।राइस मिलर्स प्रतिनिधियों द्वारा पूर्ववर्ती क्रय वर्ष में भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में स्थान की अनुपलब्धता, पोर्टफ़्रेड राइस कनेल एफआरके एवं बोरियों को

कमी तथा अन्य व्यवस्थागत कारणों से सीएफआर सम्पददान में हुए विलम्ब का विषय भी उठया गया। प्रतिनिधियों ने ऐसे मामलों में लॉबित प्रोत्साहन राशि के भुगतानएव होल्लिंडज चार्ज एवं अन्य कटौतियों से राहत प्रदान करने का अनुरोध किया। माननीय मंत्री जी ने कहा कि विभागीय व्यवस्थाओं से संबंधित कठिनाइयों का निष्पक्ष परीक्षण किया जाए तथा जिप्त मामलों में राइस मिलर्स की ओर से कोई नुटि नहीं पाई जाती, उनमें नियमानुसार उचित समाधान की कार्रवाई की जाए।

बाढ़ के बाद राहत से लेकर सफाई तक मोर्चे पर नगर निगम, 1500 कर्मचारी संभाल रहे व्यवस्था

त्रिनाथ संवाददाता
लखनऊ। बाढ़ की मार झेल चुके फैजुल्लागंज समेत जोन.3 और जोन.6 के प्रभावित इलाकों में जनजीवन सामान्य बनाने के लिए लखनऊ नगर निगम ने राहत और सफाई अभियान तेज कर दिया है। महापौर सुष्मा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर करीब 1500 कर्मचारी जलनिकासी, कूड़ा उठान और संक्रमण से बचाव के कार्यों में जुटे हैं। नगर निगम की टीमें पानी निकालने के साथ ही प्रभावित बस्तियों में स्वच्छता बहाल करने को प्राथमिकता दे रही हैं।फैजुल्लागंज में 44 डीजल और आठ इलेक्ट्रिक सहित 52 पंप लगाए गए हैं, जबकि जोन.6 में 12 डीजल पंप जलनिकासी कर रहे हैं। तीन ड्रेन से 56 एकड़ क्षेत्र में एंटी.टांवा छिड़काव किया गया। करीब 18 किलोमीटर गलियों में

● फैजुल्लागंज समेत प्रभावित इलाकों में 64 पंपों से जलनिकासी, 12 टीएमएक्स मशीनों से सिल्ट की सफाई, 56 एकड़ में ड्रेन से एंटी.लावा छिड़काव

फॉगिंग कराई गई है। दोनों जोन में 12 टीएमएक्स मशीनों से नालों सेप्टिक टैंकों और जलभराव वाले स्थानों की सफाई जारी है।नगर निगम ने कूड़ा उठान के लिए 176 श्री.व्हीलर, 55 टाटा एस और आठ ट्रैक्टर लगाए हैं। ब्लॉकिंग चूना और कीटनाशकों का छिड़काव भी कराया जा रहा है। महापौर और नगर आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित क्षेत्रों में सफाई और जलनिकासी के काम प्राथमिकता से पूरे कराए जाएं।

सेंट जोसेफ में बच्चों ने धूमधाम से मनाया गया दशहरा - हुआ रावण दहन

राजाजीपुरम, सीतापुर रोड़ और रूचिखंड शाखाओं में लघु रामलीला का मंचन, आकर्षक प्रस्तुतियों से दिया बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश; अभिभावकों व स्थानीय लोगों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की

त्रिनाथ संवाददाता



सेंट जोसेफ विद्यालय में दशहरा उत्सव के दौरान रामलीला के पात्रों की वेशभूषा में मंच पर प्रस्तुति देते बच्चे एवं विद्यार्थ्य प्रतिनिधि।

हमारे पर्व व त्यौहार हमें सदमाचार की शिक्षा देते हैं - डॉ. पुष्पलता अग्रवाल

रावण के पुतले का दहन बुराई पर अच्छाई का प्रतीक - अनिल अग्रवाल

विद्यालय समूह की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पुष्पलता अग्रवाल ने सभी को शारदीय नवरात्र व दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय पर्व और त्यौहार हमें सदैव सदमाचार अपनाने, नैतिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की शिक्षा देते हैं। बच्चों को सभी धर्मों के पर्व और त्यौहारों को एक साथ मनाना चाहिए, जिससे आपसी सद्भाव और एकता की भावना मजबूत होती है।

विद्यालय समूह की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. पुष्पलता अग्रवाल ने सभी को शारदीय नवरात्र व दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय पर्व और त्यौहार हमें सदैव सदमाचार अपनाने, नैतिक मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की शिक्षा देते हैं। बच्चों को सभी धर्मों के पर्व और त्यौहारों को एक साथ मनाना चाहिए, जिससे आपसी सद्भाव और एकता की भावना मजबूत होती है।

बच्चों की प्रस्तुतियों ने जीता मन

■ इस अवसर पर विद्यालय समूह के संयुक्त निदेशक सुजन अग्रवाल, सभी शाखाओं की प्रमुखध्यात्री लीना शर्मा, अनिता सिंह, चारु खरबंदा तथा प्रशासनिक अधिकारी फल्लूवी उपाध्याय, सोनल बिंद्रा, समशीन शर्मा आदि ने उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय परिवार ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाने की प्रेरणा देते हैं।

होम्योपैथी में भरोसा बढ़ाने की पहल डॉ. गिरीश गुप्ता के शोध से उपचार की नई संभावनाएं

चार दशक से अधिक का चिकित्सकीय अनुभव, प्रोस्टेट और बच्चेदानी की गांठ सहित कई बीमारियों पर शोध; राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए अध्ययन

त्रिनाथ संवाददाता



डॉ. गिरीश गुप्ता
संस्थापक, कैंसर सिफिक एंड सेंटर फॉर होम्योपैथिक मेडिसिन

1982 से चिकित्सा सेवा, 1995 में शुरू किया अनुसंधान केंद्र

डॉ. गुप्ता ने वर्ष 1982 में लखनऊ से चिकित्सकीय अभ्यास शुरू किया। वर्ष 1995 में उन्होंने गीरगम क्लिनिक को होम्योपैथिक अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित किया। केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीडीआरआई) में भी शोधकार्य किया। सरकारी सेवा के बजाय उन्होंने अनुसंधान को प्राथमिकता दी। उनका उद्देश्य होम्योपैथिक उपचार के अनुभवों को वैज्ञानिक अध्ययन और प्रकाशित शोध के माध्यम से सामने लाना रहा है।

1157 मरीजों पर अध्ययन, 620 को साम मिलने का दावा

नवंबर 2026 में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में डॉ. गुप्ता ने नार्मल के फ्यूज़ोइड से पीड़ित 1157 मरीजों का अध्ययन प्रस्तुत किया। उनके अनुसार 620 मरीजों में सकारात्मक परिवर्तन सामने आए। उनमें 289 मरीजों को गांठ घायल होने और 331 में उसका आकार घटने का दावा किया गया। अध्ययन में उपचार से पहले और बाद की अल्ट्रासाउंड रिपोर्टों भी प्रस्तुत की गईं।

शोधपत्रों और पुस्तकों से चिकित्सा पद्धति के प्रचार-प्रसार पर जोर

डॉ. गुप्ता ने अपने शोध अनुभवों को पुस्तकों के माध्यम से भी साझा किया है। वर्ष 2022 में उनकी पुस्तक एम्बोस्मिमेंटल होम्योपैथी का विमोचन तत्कालीन केंद्रीय आयुष मंत्री सर्वानंद बोसोवाल ने किया था। उनके कई शोधपत्र अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। इन अध्ययनों में मरीजों को मिले लाभ और उपचार के दौरान हुए बदलावों का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

मरीज की मानसिक स्थिति और लक्षणों की भी देह है महत्व

गीरगम क्लिनिक के प्रमुख चिकित्सक डॉ. दिनेश पाण्डेय के अनुसार उपचार से पहले मरीज की बीमारी, जाति, पेशेंट, लक्षण, नोट, लक्षण और मानसिक स्थिति का धिनुत अध्ययन किया जाता है। डॉ. गुप्ता का मानना ​​है कि चर्नर के व्यक्तिगत लक्षणों के आधार पर औषधि का चयन होम्योपैथी का महत्वपूर्ण विधान है।

डॉ. गुप्ता का मानना ​​है कि किसी भी चिकित्सा पद्धति का पूरा उद्देश्य मरीज को बेहतर उपचार और पल्लुपूर्ण जीवन प्रदान करना है। सभी चिक के साथ वह होम्योपैथी में अनुसंधान, वैज्ञानिक अध्ययन और उपचार के अनुभवों को साझा करने पर जोर दे रहे हैं। उनके शोध में सामने आए सकारात्मक परिणाम और व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन की समानताएं भी उल्लेखनीय हैं। उनका प्रयास है कि होम्योपैथी के प्रति लोगों का विश्वास बढ़े और इस चिकित्सा पद्धति को वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से नई पहचान मिले।

दीपावली के पूर्व कोटेदारों का भुगतान किया जाए



आजादी के बाद भी पंजाबियों ने राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाई। आकार में छोटा होने के बावजूद, पंजाब भारत का अन्न का कटोरा (फूड बाउल) बन गया और देश की खाद्य सुरक्षा में बेमिसाल योगदान दिया। दुर्भाग्य से, 13 अप्रैल 1978 को अखंड कीर्तनी जत्था, दमदमी टकसाल और निरंकारी समुदाय के बीच टकराव के बाद इतिहास ने एक दुखद मोड़ लिया। इससे अस्थिरता का एक लंबा दौर शुरू हुआ। धीरे-धीरे पंजाब आतंकवाद, अलगाववाद और सरकारी दमन की चपेट में आ गया, जिससे यहां के लोगों को सालों तक हिंसा और डर का सामना करना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार, 1981 और 1993 के बीच पंजाब में उग्रावाद के कारण 21,350 लोगों की जानें गईं। इन मुश्किल सालों में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के कई कार्यकर्ताओं ने देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा में अपनी जानें दीं और न हिंदू राज, न खालिस्तान का नारा लोकप्रिय बनाया, जो सांप्रदायिक बहुसंख्यकवाद और अलगाववाद, दोनों के विरोध को दर्शाता था। इस पूरे दौर में पंजाब के लोगों ने जो जबरदस्त संयम दिखाया, वह भी उतना ही अहम था।

संपादकीय

भारत में भ्रष्टाचार सर्वव्यापी है

भारत ने समान नागरिक संहिता, धारा 370 और राम मंदिर को अपनी राजनीतिक पहचान का मुख्य मुद्दा बनाया है। उसकी प्राथमिकता सूची में गवर्नेंस की महत्वपूर्ण जगह है। प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कठोर रुख अपनाने की याद बार.बार दिलाते हैं। वे चुनाव सभाओं और कार्यक्रमों में कहते हैं, उनकी सरकार भ्रष्टाचार के सख्त खिलाफ है। अब उनके वादे और भाषणों की कड़ी परीक्षा का समय है। भारत में भ्रष्टाचार सर्वव्यापी है। कई सरकारी दफ्तरों में आम लोगों के काम से जुड़ी फाइलें रिश्तत के बिना आगे नहीं बढ़ती हैं। सरकारी ठेकों के टेंडर पास कराने में धांधली की शिकायतें आम हैं। विभिन्न स्तरों पर हजारों, लाखों और करोड़ों रुपए के घोटाले हो रहे हैं। शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश, सरकारी नौकरियों में भर्ती की प्रतियोगी परीक्षाएं सुरक्षित नहीं हैं। परीक्षाओं से पहले उनके पेपर लीक हो जाते हैं। प्रश्नपत्रों की बिक्री लाखों रुपए में होती है। और तो और लाखों, करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र धर्मस्थल तक घोटालों से परे नहीं हैं। यह सिलसिला वर्षों से चल रहा है। फिर भी, उन लोगों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता है जो इसके लिए सीधे जवाबदेह और जिम्मेदार हैं। सार्वजनिक जीवन में भ्रष्ट आचरण, अनैति और अनैतिकता को सामान्य मान लिया गया है। अभी हाल के महीनों में कदाचरण के कुछ मामले सुर्खियों में रहे हैं। इनमें राममंदिर, अयोध्या से करोड़ों रुपए के चढ़ावों की चोरी और राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) के पेपर लीक होने के मामले प्रमुख हैं। दोनों ही मामलों में सरकारी एजेंसियों ने कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को चुनाव अभियान का प्रमुख मुद्दा बनाकर सत्ता में आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों मामलों में खामोश हैं। उन्होंने मनमोहन सिंह की सरकार के समय टू जी स्पेक्ट्रम के आबंटन और कोयला खदानों की नीलामी में धांधली को प्रमुख मुद्दा बनाया था। वे और भाजपा के नेता चुनाव सभाओं में पूर्वी यूपीए सरकार पर तीखे प्रहार करते थे। लेकिन अब मौन है। प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी रणनीतिक हो सकती है। मोदी मन की बात में छात्रों से परीक्षा पर चर्चा करते हैं। लेकिन उन्होंने नीट पेपर लीक पर एक शब्द नहीं कहा है। वे उन मुद्दों पर ही बोलते हैं जिनसे उन्हें फायदा हो सकता है। हमेशा अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हैं। अपनी सरकार की विफलता और खामियों को स्वीकार नहीं करते हैं। नोटबंदी और कोविड.19 के अचानक घोषित लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था को जबरदस्त आघात लगा था। लेकिन इन फैसलों के नकारात्मक पहलुओं को कभी याद नहीं किया जाता है। दूसरी ओर कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार को सत्ता से हटे 12 साल हो चुके हैं लेकिन सत्ताधारी दल के प्रमुख नेता विदेश नीति, अर्थव्यवस्था, गवर्नेंस, इंफ्रास्ट्रक्चर, कानून व्यवस्था सहित तमाम मसलों पर पूर्व सरकार को निशाना बनाते हैं। अपनी अक्षमता, गलत फैसलों पर चुप्पी साधने और पूर्व सरकारों को दोषी ठहराना का अतंत सिलसिला जनमत को प्रभावित करने की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस नेताओं की तुलना में भाजपा के नेता ज्यादा याद करते हैं। भाजपा समर्थक इकोसिस्टम और ट्रेल आर्मी ने नेहरू के बारे में तरह.तरह के किस्से फैलाए हैं। नेहरू का निधन 62 वर्ष पहले हो चुका है पर आजाद भारत की हर समस्या का दोष उन पर मड़ा जाता है। संसद में उन पर तीखे प्रहार हुए हैं। नेहरू के लिए भाजपा के अफिशिय प्रेम का नतीजा है कि अब सोशल मीडिया मोम्सा, अखबारों के कार्टूनों और आपसी चर्चा में लोग मजाक में कहने लगे हैं कि पता लगाओ, फलों समस्या के लिए कहीं नेहरू तो दोषी नहीं हैं। गनीमत है, राममंदिर में हुए भ्रष्टाचार पर किसी ने अब तक नेहरू को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। सार्वजनिक जीवन में व्याप्त भ्रष्टाचार को देखते हुए शायद संघ परिवार उम्मीद कर रहा होगा कि अन्य मामलों के समान कुछ समय बाद लोग अयोध्या के घटनाक्रम को भी भूल जाएंगे। सवाल है, क्या ऐसा हो सकता है। अतीत पर नजर डालते से राजनीति में भ्रष्टाचार के मुद्दे की प्रमुखता और राम मंदिर आंदोलन पर रोशनी पड़ती है। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उमड़ी सहानुभूति लहर के कारण 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 400 से अधिक सीटें मिली थीं। भाजपा दो सीटों तक सिमट गई थी। इस बीच, विश्व हिंदू परिषद ने राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन कर दिया था। फिर बोफोर्स तोपों की बरीद में 64 करोड़ रुपए की रिश्तत दिए जाने के आरोपों से अलोकप्रिय हुए राजीव गांधी और कांग्रेस को 1989 के चुनाव में सत्ता गंवाना पड़ी थी। प्रचार अभियान और चुनाव आजादी के बाद पहला मौका था जब केवल भ्रष्टाचार के आरोपों पर किसी सत्ताधारी दल को चुनावी हार का मुंह देखना पड़ा। कांग्रेस छोड़कर जनता दल बनाने वाले विश्वनाथ प्रताप सिंह ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई थी। वीपी सिंह और भाजपा के बीच मतभेद जल्द सामने आ गए। वीपी सिंह ने भाजपा की असहमति के बावजूद शिक्षण संस्थाओं और सरकारी नौकरियों में पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू कर दिया। उधर, भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सितंबर 1990 में सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू कर दी। भाजपा ने मंदिर आंदोलन को देश का आध्यात्मिक पुर्नजागरण करार दिया। निश्चित रूप से मंदिर आंदोलन ने देश की राजनीतिक दिशा बदल दी है। रथयात्रा से धार्मिक भावनाएं भड़कीं। देश में कई जगह दंगे हुए। 1992 में संघ परिवार की सक्रियता से अयोध्या में जुटे कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद को ढहा दिया। उस वक्त शिला पूजन के लिए लोगों ने उदरता से दान दिया था। 2019 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने मंदिर निर्माण का रास्ता खोला। फरवरी 2020 में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के समान मंदिर निर्माण समिति के गठन में केंद्र सरकार की निर्णायक भूमिका रही।

पंजाब ने आपसी टकराव की भारी कीमत चुकाई

सत्यम् यादव

बेरोजगारी, कर्ज, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और विकास जैसे मुद्दों पर बात करने के बजाय, राजनीतिक चर्चाओं में ऐसे भावनात्मक मुद्दों का बोलबाला बढ़ रहा है जो समाज में बंटवारा बढ़ाते हैं और सत्ता में बैठे लोगों को चुनावी फायदा पहुंचाते हैं। पंजाब ने आपसी टकराव की भारी कीमत चुकाई है। 1980 और 1990 के दशक की शुरुआत में राज्य ने अपने इतिहास के सबसे काले दौर का सामना किया। यहां के लोगों ने शांति बहाल करने और समाज को फिर से खड़ा करने के लिए कड़ी मेहनत की है। हालांकि, राज्य का इतिहास सिर्फ टकराव तक ही सीमित नहीं है। यह साहस, बलिदान और संघर्ष का भी इतिहास रहा है।

छुट्टियां व मौसमी आयोजन समाज को न तो इतिहास के मुश्किल अध्यायों को मिटाना चाहिए और न ही राजनीतिक फायदे के लिए उनका इस्तेमाल करना चाहिए। अतीत का ईमानदारी से अध्ययन किया जाना चाहिए, उस पर तर्कसंगत बहस होनी चाहिए और उसे पूरी तरह से समझा जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां वही गलतियां न दोहराएं। जिसे.जैसे चुनाव नजदीक आते हैं, अक्सर लोगों का ध्यान जरूरी सामाजिक और आर्थिक मुद्दों से हटाने के लिए नए विवाद खड़े किए जाते हैं। आजादी के बाद भी पंजाबियों ने राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाई। आकार में छोटा होने के बावजूद, पंजाब भारत का अन्न का कटोरा (फूड बाउल) बन गया और देश की खाद्य सुरक्षा में बेमिसाल योगदान दिया। दुर्भाग्य से, 13 अप्रैल 1978 को अखंड कीर्तनी जत्था, दमदमी टकसाल और

निरंकारी समुदाय के बीच टकराव के बाद इतिहास ने एक दुखद मोड़ लिया। इससे अस्थिरता का एक लंबा दौर शुरू हुआ। धीरे-धीरे पंजाब आतंकवाद, अलगाववाद और सरकारी दमन की चपेट में आ गया, जिससे यहां के लोगों को सालों तक हिंसा और डर का सामना करना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार, 1981 और 1993 के बीच पंजाब में उग्रावाद के कारण 21,350 लोगों की जानें गईं। इन मुश्किल सालों में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के कई कार्यकर्ताओं ने देश की अखंडता और संप्रभुता की रक्षा में अपनी जानें दीं और न हिंदू राज, न खालिस्तान का नारा लोकप्रिय बनाया, जो सांप्रदायिक बहुसंख्यकवाद और अलगाववाद, दोनों के विरोध को दर्शाता था। इस पूरे दौर में पंजाब के लोगों ने जो जबरदस्त संयम दिखाया, वह भी उतना ही अहम था। पूरे समय के दौरान और यहां तक कि 1984 में सिखों के खिलाफ हुए भयानक जनसंहार के बाद भी, पंजाब में कोई जवाबी सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ, जो वहां के सामाजिक ताने.बाने की मजबूती को दिखाता है। जैसे.जैसे उग्रावाद बढ़ा, चरमपंथी समूहों ने धार्मिक स्थलों को अपनी गतिविधियों के ठिकानों के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। बिगड़ते हालात का नतीजा जून 1984 में ऑपरेशन ब्लू स्टार के रूप में सामने आया। इस सैन्य कार्रवाई ने सिख समुदाय के एक बड़े हिस्से की भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई। हालांकि सरकार ने क्षतिग्रस्त अकाल तख्त का पुर्ननिर्माण किया था, लेकिन बाद में सिख समुदाय ने इसे खुद फिर से बनवाया। इन घटनाओं के बाद

आखिरकार प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या हुई। ऑपरेशन ब्लू स्टार अपरिहार्य था या कोई और तरीका अपनाया जा सकता था, यह आज भी बहस का विषय है। जिस बात से इनकार नहीं किया जा सकता, वह यह है कि उस समय पंजाब डर के साये में था। उग्रवादियों ने कर्फ्यू लगा दिए, रोजमर्रा की जिंदगी को नियंत्रित करने वाले फरमान जारी किए, लोगों को स्वतंत्रता दिवस न मनाने का निर्देश दिया और यहां तक कि ड्रेस कोड भी लागू किए, खासकर महिलाओं के लिए। समुदाय या धर्म से परे, लोगों के मन में डर और अविश्वास की गहरी भावना थी।

जब उग्रावाद फिर से बढ़ा, तो 1986 में अकाली सरकार के तहत ऑपरेशन ब्लैक थंडर शुरू किया गया, जिसके बाद 1988 में एक लंबा ऑपरेशन चला, जिसमें श्री हरमंदिर साहिब परिसर से उग्रवादियों को सफलतापूर्वक खदेड़ दिया गया। ऑपरेशन ब्लू स्टार के उलट, ऑपरेशन ब्लैक थंडर को काफी फयादा पारदर्शिता के साथ चलाया गया और नतीजतन, इससे जनता में बहुत कम नाराजगी पैदा हुई। अलगाववादी आंदोलन के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान और केनडा व यूनाइटेड किंगडम में मौजूद कट्टरपंथी समूहों से आर्थिक और राजनीतिक समर्थन मिला। दक्षिण.एशियाई और प्रवासी इस दौरान केंद्र सरकार के हालात से निपटने के तरीकों में बड़ी कमियां और राज्य की एजेंसियों द्वारा गलत कामों के मामले भी सामने आए। जहां हजारों पुलिसकर्मियों ने आतंकवाद के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी, वहीं गैर.कानूनी हत्याओं, लोगों के जबरन गायब किए जाने, गैर.कानूनी वसूली और सत्ता के

अशोक भाटिया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में संघ के शताब्दी वर्ष के ऐतिहासिक विजयदशमी उत्सव (20 अक्टूबर 2026) के मंच से एक ऐसा वैचारिक विमर्श देश के सामने रखा हैदू जो केवल तात्कालिक राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भू.राजनीति की गहरी समझ को रेखांकित करता है। उन्होंने समकालीन विश्व की उथल.पुथल, विशेषकर बांग्लादेश, नेपाल और पश्चिम के देशों में मंचे सामाजिक.राजनीतिक घमासान का हवाला देते हुए एक अत्यंत गंभीर और दूरगामी वक्तव्य दिया।

उनका यह स्पष्ट कथन कि रिजिीम चेंज करने से परिस्थितियां नहीं बदलतीं, ऐसा पहले भी नहीं हुआ है और आज भी नहीं होगा, आज के वैश्विक और भारतीय परिदृश्य में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय विमर्श की मांग करता है। यह विश्लेषण इस बात को गहराई से रेखांकित करता है कि आखिर क्यों बाहरी सत्ताओं का बदलना किसी देश की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता और क्यों भारत को वैश्विक आसुरी ताकतों के इस चक्रव्यूह से सावधान रहने की आवश्यकता है। इतिहास और समकालीन विश्व राजनीति इस बात की गवाह हैं कि जब.जब किसी राष्ट्र में व्यवस्था को भीतर से सुधारने के बजाय हिंसक, अराजक या विदेशी प्रायोजित तरीकों से केवल शीर्ष को बदलने का प्रयास किया गया है, वहां की जनता को विनाशकारी परिणाम भुगतने पड़े हैं। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में फ्रांस, अल्बानिया, बांग्लादेश और नेपाल जैसे विविध भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले देशों के उदाहरण देकर इसी शाश्वत सत्य की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। पश्चिम से उठे सांस्कृतिक मार्क्सवाद या शोक विमर्श के उस आधुनिक तूफान का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल सत्ताओं को बदलने का साधारण

चेष्टा है।

मुद्दा

21 अक्टूबर 1943 को बनी आजाद हिंद सरकार

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक (तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी) में हुआ था। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद इंग्लैंड में भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन ब्रिटिश शासन की नौकरी को स्वीकार करने के बजाय देश की स्वतंत्रता को अपना जीवन.लक्ष्य बनाया और 1921 में इस्तीफा दे दिया। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में तेजी से उभरे और 1938 में हरिपुरा तथा 1939 में त्रिपुरी अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास अनेक धाराओं, विचारों और संघर्ष.पद्धतियों का इतिहास है। महात्मा गांधी के नेतृत्व में अहिंसक जनआंदोलन ने जहां ब्रिटिश शासन की नींव को व्यापक जनप्रतिरोध से हिलाया, वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से अंग्रेजीय सत्ता को भारत से बाहर करने का एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत किया। इसी संघर्ष की राजनीतिक परिणति के रूप में 21 अक्टूबर 1943 को सिंगापुर में आजाद हिंद की अस्थायी सरकार अर्थात प्रोविजनल गवर्नमेंट ऑफ फ्री इंडिया की स्थापना हुई। यह दिन भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस के भीतर स्वतंत्रता प्राप्ति के उपायों और भविष्य की राजनीतिक दिशा को लेकर बोस के विचार अधिक उग्र और निर्णायक थे। 1939 में कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटने के बाद उन्होंने फॉर्बर्ड ब्लॉक का गठन किया। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ्तार और



राजनीतिक आंदोलन नहीं है, बल्कि यह हर स्थापित मानवीय मूल्य, पारंपरिक सामाजिक ताने.बाने, पारिवारिक मर्यादाओं और राष्ट्रीय अस्मिता को मटियामेट करने की एक अत्यंत अराजक चेष्टा है। जब किसी समाज में केवल स्थापित सत्ता को उखाड़ फेंकने को ही परम लक्ष्य मान लिया जाता है, तो उसके बाद पैदा होने वाला शून्यता का दौर उस देश को गृहयुद्ध, आर्थिक कंगाली और चरमपंथी आग में झोंक देता है। हाल के वर्षों में हमने देखा है कि जिन भी देशों में बाहरी ताकतों के सहयोग या आंतरिक उन्माद के दम पर अचानक रिजिीम चेंज हुआ, वहां लोकतंत्र मजबूत होने के बजाय अराजकता, कट्टरपंथ और सेना का दखल अधिक गहरा हो गया। भागवत का यह बयान इसी कड़वी हकीकत का एक ऐतिहासिक, प्रासंगिक और दार्शनिक विश्लेषण है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के संदर्भ में संघ प्रमुख का यह वक्तव्य एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक चेतावनी के रूप में सामने आता है। वर्तमान में भारत वैश्विक पटल पर आर्थिक, सामरिक, कूटनीतिक और तकनीकी मोर्चे पर अद्वितीय प्रगति कर रहा है और एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। लेकिन इस अभूतपूर्व प्रगति के साथ ही भारत के प्रति वैश्विक शक्तियों की ईर्ष्या और असहजता भी खतरनाक स्तर पर बढ़ी है। सरसंघचालक ने बहुत ही बेबाकी से उन आसुरी ताकतों की ओर इशारा किया जो दुनिया भर में अपने आर्थिक और राजनीतिक चर्चस्व को साधे रखने के लिए विभिन्न देशों में अपने पिछू स्थापित करना चाहती हैं। चूंकि ये ताकतें भारत को

मुद्दा

मुद्दा

21 अक्टूबर 1943 को बनी आजाद हिंद सरकार



नजरबंद किया। जनवरी 1941 में वे नजरबंदी से निकलकर गुप्त रूप से भारत से बाहर पहुंचे और अंततः जर्मनी गए। बाद में जर्मन पनडुब्बी से हिंद महासागर की जोरिमहपूर्ण यात्रा करते हुए वे जापानी क्षेत्र में पहुंचे और 1943 में दक्षिण.पूर्व एशिया में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व संभाला। आजाद हिंद फौज की पुष्टिमी। यह तथ्य विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि आजाद हिंद फौज का प्रारंभिक गठन सुभाष चंद्र बोस के आने से पहले हो चुका था। फरवरी 1942 में सिंगापुर के पतन के बाद बड़ी संख्या में भारतीय सैनिक जापानियों के युद्धबंदी बने। इन्हीं भारतीय युद्धबंदियों में से कैप्टन मोहन सिंह के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय सेना के गठन की प्रक्रिया शुरू हुई। रास बिहारी बोस ने भी दक्षिण.पूर्व एशिया में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के गठित करने और इंडियन इंडिपेंडेंस लीग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि जापानी सैन्य नेतृत्व और मोहन सिंह के बीच मतभेदों के कारण पहली छ्। व्यवस्था 1942 के अंत तक संकट में पड़ गई। ऐसे समय में सुभाष चंद्र बोस का दक्षिण.पूर्व एशिया पहुंचना निर्णायक साबित हुआ। उन्होंने बिखरी हुई सैन्य शक्ति को

दुरुपयोग के कई मामले भी सामने आए। इन उल्लंघनों ने लोगों का भरोसा कम किया और नाराजगी बढ़ाई। साथ ही, आतंकवादी समूहों ने आम नागरिकों पर वक्तू हमले किए, जिससे वे लोग उनसे दूर हो गए जिनका वे प्रतिनिधित्व करने का दावा करते थे। जैसे.जैसे लोगों का समर्थन कम होता गया, आतंकवाद धीरे.धीरे कमजोर होता गया और 1993 तक काफी हद तक खत्म हो गया। लंबे समय तक चले इस संघर्ष में पंजाब की अर्थव्यवस्था को भी बर्बाद कर दिया। डर, अनिश्चितता और अविश्वास के कारण लोगों ने पलायन किया, निवेश कम हुआ, उद्योग कमजोर हुए और आर्थिक विकास की गति धीमी पड़ गई। इसके सामाजिक नतीजे दशकों बाद भी महसूस किए जा रहे हैं। इसलिए यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन दर्दनाक घटनाओं से एक बार फिर राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है। इस संदर्भ में, केंद्र सरकार का पहले सतलुज फिल्म को मंजूरी देना और फिर उसे ओटीटी प्लेटफॉर्म से हटाने का फैसला गंभीर सवाल खड़े करता है। ऐसा लगता है कि यह सुलह को बढ़ावा देने के बजाय सांप्रदायिक बंटवारा पैदा करने के मकसद से किया गया था। विडंबना यह है कि सतलुज को दबाने की कोशिश ने लोगों की उत्सुकता और बढ़ा दी, जिससे पंजाब भर में कई लोगों ने इसे अनौपचारिक तरीकों से देखा। समाज को न तो इतिहास के मुश्किल अध्यायों को मिटाना चाहिए और न ही राजनीतिक फायदे के लिए उनका इस्तेमाल करना चाहिए। अतीत का ईमानदारी से अध्ययन किया जाना चाहिए, उस पर तर्कसंगत बहस होनी चाहिए और उसे पूरी तरह से समझा जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां वही गलतियां न दोहराएं। (यह लेखक के अपने निजी विचार हैं)।

राजनीति का हाल

सत्ता परिवर्तन का भ्रम और राष्ट्र की आंतरिक स्थिरता

सैन्य या आर्थिक रूप से सीधे टकर देने की स्थिति में नहीं हैं, इसलिए वे भारत के भीतर ही अदृश्य विभाजनकारी रेखाएं खींचने का क्लृप्त प्रयास कर रही हैं। जाति, भाषा, प्रांतीयता, वर्ग और संप्रदाय के नाम पर समाज को आपस में लड़ाना इन ताकतों का मुख्य सामरिक औजार बन चुका है। भारत को अस्थिर करने के लिए एक सुनियोजित नैटिव वॉर और टूलकिट प्रोपेगैंडा चलाया जा रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य देश की संवैधानिक संस्थाओं, न्यायपालिका और सुरक्षा तंत्र की विश्वसनीयता को धूल.धूसरित करना है। हाल के दिनों में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य संवैधानिक पदों के खिलाफ जिस तरह के प्रायोजित, हिंसक और तीखे प्रदर्शन देखने को मिले हैं, वे इसी गहरी वैश्विक साजिश का हिस्सा प्रतीत होते हैं, जिसका लक्ष्य देश में एक कृत्रिम संकट पैदा करना है। एक जीवंत लोकतंत्र में असहमति, विरोध और शांतिपूर्ण आंदोलन स्वाभाविक हैं और इन्हें किसी भी जागरूक समाज का आवश्यक लक्षण माना जाना चाहिए। मोहन भागवत ने भी अपने भाषण में स्पष्ट किया कि व्यवस्था की कमियों के खिलाफ आवाज उठाना जनता का लोकतांत्रिक अधिकार है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। परंतु, समस्या तब उत्पन्न होती है जब इन आंदोलनों का नियंत्रण और फंडिंग देशविरोधी ताकतों, विदेशी संस्थाओं या संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के हाथ में चला जाता है। ऐसी स्थिति में वे आंदोलन राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता के लिए सीधा खतरा बन जाते हैं। यही कारण है कि संघ प्रमुख ने देश के प्रदर्शनकारियों, नागरिक समाज, प्रशासनिक तंत्र और राजनीतिक नेतृत्व सभी से एक सुर में संविधान, कानून और नागरिकता के दायरे में रहकर काम करने की पुर्जोर अपील की है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में यदि सड़कों पर होने वाले हिंसक फैसले संसद और सर्वोच्च न्यायालयों से बड़े होने लगेंगे, तो वह देश बहुत जल्द अराजकता के गत में गिर जाएगा। (यह लेखक के अपने निजी विचार हैं)।

संक्षिप्त समाचार

रेल मंत्री ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में टनल बोरिंग मशीन तकनीक में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला

त्रिनाथ संवाददाता

गोरखपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि भारत अपने बुनियादी ढांचा क्षेत्र (इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर) की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए टनल बोरिंग मशीन तकनीक में किस तरह अपनी स्वदेशी क्षमताएं विकसित कर रहा है। रेलवे, रामगंगा और बिजली परियोजनाओं के लिए सुरंगें बनाने में टनल बोरिंग मशीन की अहम भूमिका होती है। पहले भारत इन मशीनों के लिए आयात पर निर्भर था, लेकिन अब वह 8 मीटर और 15 मीटर व्यास (डायमीटर) वाली टनल बोरिंग मशीन का निर्माण कर रहा है। देश अब 16 मीटर से अधिक व्यास वाली टनल बोरिंग मशीन बनाने की भी तैयारी कर रहा है। तमिलनाडु में निर्माण सुविधाओं और बढ़ती तकनीकी विशेषज्ञता के साथ, भारत धीरे-धीरे एक संपूर्ण टनल बोरिंग मशीन इकोसिस्टम विकसित कर रहा है, जिसमें डिजाइन और निर्माण से लेकर रखरखाव (मैटेनेंस) तक के सभी चरण शामिल हैं। यह प्रगति आत्मनिर्भर भारत की भावना को दर्शाती है और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा तकनीक के क्षेत्र में भारत की घरेलू क्षमताओं को मजबूत करती है।

05038 बान्दा टर्मिनस-बदनी के संचलन स्थान में परिवर्तन

त्रिनाथ संवाददाता

गोरखपुर। रेल प्रशासन द्वारा परिचालनकार कारणों से बान्दा टर्मिनस से 24 अक्टूबर से 28 नवम्बर 2026 तक (06 फेरों के लिये) चलने वाली 05038 बान्दा टर्मिनस-बदनी साप्ताहिक ल्यूहार विशेष गाड़ी, बदनी के स्थान पर गोंडा स्टेशन में यात्रा समाप्त करेगी तथा यह गाड़ी गोंडा-बदनी के मध्य निरस्त रहेगी।

33वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 23-26 अक्टूबर तक

त्रिनाथ संवाददाता

गोरखपुर। रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे के तत्त्वावधान में 33वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल बास्केटबॉल प्रतियोगिता-2026 का आयोजन 23 से 26 अक्टूबर 2026 तक सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम गोरखपुर में किया जायेगा। प्रतियोगिता का शुभारम्भ अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल 23 अक्टूबर 2026 को सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम गोरखपुर में अपराह्न 02:45 बजे करेंगे। इस प्रतियोगिता में उत्तर रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, रेलवे सुरक्षा विशेष बल तथा मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे सहित कुल 07 टीमें अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। प्रतियोगिता में सभी टीमों को दो पूलों में बाँटकर कुल 13 मैच खेले जायेंगे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल, एक की हालत नाजुक

त्रिनाथ संवाददाता

बेलीपार,गोरखपुर। बेलीपार थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। राप्ती नदी फोरलेन पुल के पास बेतोआ बांध पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घायलों की पहचान बेलीपार थाना क्षेत्र के मरवरिया कुआ निवासी सोहन निषाद (35) और राजन निषाद (25) के रूप में हुई है। दोनों मूर्ति विसर्जन कर अपने घर लौट रहे थे। हादसे में दोनों बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया, जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें भीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। सोहन की हालत नाजुक बनी हुई है, जबकि राजन का पैर फ्रैक्चर हो गया है। बताया जा रहा है कि सोहन चाय बेचने का काम करते हैं, जबकि राजन पेंट-पॉलिश का काम करते हैं। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

समाजसेवी दूरेश ने मूर्ति विसर्जन के दिन श्रद्धालु दर्शनार्थियों को कराया जलपान

त्रिनाथ संवाददाता

गोला,गोरखपुर। नगर पंचायत गोला के वार्ड नंबर 7 निवासी समाजसेवी विशाल कुमार वर्मा ने अपने आवास तिलक भवन पर शादीय नवरात्रि के पावन महापर्व के शुभ अवसर पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए मूर्ति विसर्जन के दिन जलपान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।



मृतकों के परिजनों को बिजली विभाग से मिला आर्थिक सहायता, प्रशासन भी करेगा सहयोग: डीएम

त्रिनाथ संवाददाता

गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के जंगल अयोध्या प्रसाद गांव में बुधवार को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हाईटेंशन बिजली के तार की चपेट में आने से तीन नवयुवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि नौ लोग घायल हो गए थे। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि हादसे में घायल लोगों की स्थिति अब ठीक है और उन्हें आज अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि हादसे में जान नंगाने वाले तीनों युवकों के परिजनों को बिजली विभाग की ओर से आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी गई है। इसके साथ ही जिला



प्रशासन की ओर से भी पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि दुख की इस घड़ी में मृतकों के परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। डीएम दीपक मीणा ने कहा कि प्रशासन मृतकों के परिजनों के साथ खड़ा है और उन्हें हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। पीड़ित परिवारों को

सहायता देने के साथ उनकी जरूरतों का भी ध्यान रखा जाएगा, ताकि इस असहनीय दुख के बीच उन्हें आर्थिक या अन्य किसी तरह की कठिनाई न झेलनी पड़े। गौरतलब है कि बुधवार को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए निकले जुलूस के दौरान डीजे पर लगी लोहों की रेलिंग 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई थी। हादसे में चंदन (21), विक्री (18) और लक्की (17) की मौत हो गई थी, जबकि नौ लोग झुलस गए थे। घटना के बाद प्रशासन ने घायलों के उपचार की व्यवस्था कराई और मृतकों के परिजनों को सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 26 अक्टूबर से 01 नवम्बर तक मनाया जायेगा सतर्कता जागरूकता सप्ताह

त्रिनाथ संवाददाता

गोरखपुर। केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार पूर्वोत्तर रेलवे पर 26 अक्टूबर से 01 नवम्बर 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जायेगा। इसके अन्तर्गत मुख्यालय एवं मंडलों पर सतर्कता से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत 26 अक्टूबर 2026 को 11:00 बजे महाप्रबन्धक कार्यालय परिसर, गोरखपुर में महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर द्वारा रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई जायेगी तथा अपराह्न 03:00 बजे से बहुविषयक पद्धति प्रशिक्षण केन्द्र, गोरखपुर में

कर्मचारियों के लिये क्रिज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में, 28 अक्टूबर 2026 को पूर्वाह्न 11:30 बजे अधिकारी क्लब, गोरखपुर में महाप्रबन्धक के मुख्य अतिथ्य में सतर्कता सेमिनार आयोजित किया जायेगा एवं अपराह्न 03:00 बजे सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर मुख्यालय के कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिये ऑनलाइन ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। 30 अक्टूबर 2026 एवं 01 नवम्बर 2026 को प्रातः 09:00 से रात्रि 21:00 बजे तक गोरखपुर जं. रेलवे स्टेशन पर शपथ/ऑन लाइन शपथ ग्रहण, शिकायत एवं सुझाव बुध का आयोजन किया जायेगा। 31

अक्टूबरए 2026 को प्रातः 07:30 बजे सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में महाप्रबन्धक के मुख्य अतिथ्य में वाकाथन वाक फार इटीग्रेटी का आयोजन किया जायेगा। इसी दिन प्रातः 10:00 बजे यांत्रिक कारखाना, गोरखपुर में सतर्कता सेमिनार का अयोजित की जायेगी। 01 नवम्बर 2026 को पूर्वाह्न 10:00 बजे गोरखपुर जं. स्टेशन परिसर में सतर्कता से संबंधित नुकड़ नाटक का आयोजन किया जायेगा तथा 02 नवम्बर 2026 को अपराह्न 03:00 बजे रेलवे प्रेक्षागृह, गोरखपुर में सत्यनिष्ठा से समृद्ध विषय पर मुख्य वक्ता हिमांशु बिशर्नोई द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया जायेगा।

महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे ने किया रेल यात्रियों से जन संवाद

त्रिनाथ संवाददाता

गोरखपुर। भारतीय रेल पर 02 से 31 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान 6.0 के अन्तर्गत पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय, गोरखपुर एवं तीनों मंडलों पर विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में, महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने 22 अक्टूबर 2026 को गोरखपुर जं. स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 एवं 2 पर प्रतीक्षालयों, अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) टिकट काउंटरों तथा गाड़ी संख्या 19037 बान्दा टर्मिनस-बरोनी एक्सप्रेस में यात्री संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये रेल यात्रियों से जन संवाद किया, जिसमें रेल यात्रियों से स्वच्छता एवं यात्री सुविधाओं के बारे में उनके विचार एवं सुझाव आमंत्रित किये। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक प्रकाश चन्द्र जायसवाल, प्रमुख मुख्य यांत्रिक प्रबन्धक रवीश कुमार, महानिरीक्षक-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल



(आरपीएफ) सत्य प्रकाश सहित वरिष्ठ अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर महाप्रबन्धक उदय बोरवणकर ने कहा कि भारतीय रेल पर व्यापक रूप से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी के परिप्रेक्ष्य में गुरुवार को रेल यात्रियों से संवाद कर उनके बहुमूल्य सुझाव प्राप्त किये जा रहे हैं, जिससे पूर्वोत्तर रेलवे यात्रियों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध करा सके। महाप्रबन्धक ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर स्टेशनों, रेल परिसरों, ट्रेनों, आवासीय कॉलोनियों, कार्यालयों आदि में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन आज युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, महिला एवं पुरुष यात्रियों से सीधे संवाद कर उनसे

यात्रा अनुभव के फीडबैक प्राप्त कर रहा है। श्री बोरवणकर ने कहा कि इस रेलवे पर सफाई मित्रों एवं रेल कर्मचारियों ने सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने हेतु बहुत मेहनत की है।

इनके द्वारा रेलवे ट्रैक एवं ट्रेनों में निरंतर गहन सफाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को भी स्वच्छता हेतु जागरूक होना चाहिये क्योंकि स्वच्छता हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है और हमको मिलकर स्वच्छ भारत की संकल्पना को पूरा करना है। महाप्रबन्धक ने रेल यात्रियों से अपील की है कि स्मिल प्लग प्लास्टिक का उपयोग न करें एवं पान,गुटखा खाकर ट्रेन एवं रेल परिसर में न थूकें तथा रेलवे को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। अन्त में महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने प्लेटफॉर्म संख्या-9 पर पार्किंग व्यवस्था तथा पे एंड यूज शौचालय में साफ-सफाई को देखा। इसी क्रम में, मुख्यालय, गोरखपुर एवं तीनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने 22 अक्टूबर 2026 को पूर्वोत्तर रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर रेल

यात्रियों से जन संवाद कार्यक्रम के अन्तर्गत स्टेशनों, रेल परिसरों, ट्रेनों आदि में साफ-सफाई पर फीडबैक एवं सुझाव प्राप्त किये। यात्रियों ने जन संवाद के दौरान रेल प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान की प्रशंसा की और कहा कि ट्रेनों एवं स्टेशनों पर स्वच्छता काफी उच्च कोटि की है। विदित है कि रेलवे परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के उद्देश्य से रेलवे परिसरों, कार्यालयों, स्टेशनों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों के स्टेशनों पर रेल यात्रियों एवं आमजन से जन संवाद कर स्वच्छता, कचरे के उचित निस्तारण एवं स्वच्छ रेलवे परिसर के महत्व पर निरन्तर चर्चा की जा रही है। यात्रियों से सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त कर सफाई व्यवस्था में सुधार तथा जन भागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है।

डा. झा के नेतृत्व में प्रदेश का पहला सिटी पाली क्लिनिक गोरखपुर में खोला गया था

डा. नंदलाल कुशवाहा बने कार्यवाहक सीएमओ, डा. राजेश झा ने सौंपा कार्यभार

त्रिनाथ संवाददाता

गोरखपुर। राज्य क्षय रोग अधिकारी पद पर तैनाती के बाद गोरखपुर में सीएमओ रहे डा. राजेश झा ने बुधवार को जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. नंदलाल कुशवाहा को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) पद का कार्यभार सौंप दिया। शासन से स्थायी तैनाती तक डा. कुशवाहा ही गोरखपुर के सीएमओ बने रहेंगे। इससे पहले डा. झा ने अपने कार्यकाल के डेढ़ वर्षों में सहयोग के लिए अपने सभी सहयोगियों के प्रति आभार जताया। उन्होंने डा. कुशवाहा को बुके देकर उनका स्वागत भी किया। डा. राजेश झा ने अप्रैल 2025 में सीएमओ गोरखपुर का पदभार संभाला था। हाल ही में वह अपर निर्देशक ग्रेड पर प्रोन्नत हुए थे। बीते सप्ताह उनके ग्रेड के मुताबिक शासन स्तर से उन्हें राज्य क्षय रोग अधिकारी पद पर तैनाती मिली है। अवकाश के बाद बुधवार को कार्यालय खुलने के बाद उन्होंने जिले में वरिष्ठतम अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ग्रेड श्रेणी में आने वाले जिला



प्रतिरक्षण अधिकारी डा. नंदलाल कुशवाहा को कार्यभार सौंप दिया। इस अवसर पर डा. राजेश झा ने कहा कि जिले में उनके स्तर से जो भी नवाचार हो सके, उसमें उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। उन्होंने एम्स गोरखपुर, बीआरडी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, जिला महिला अस्पताल, सभी एसीएमओ, डिप्टी सीएमओ, एनएचएम के सभी कर्मियों और सभी ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा इकाइयों के प्रति सहयोग के लिए आभार जताया। डा. झा ने मिनिस्ट्रीयल स्टाफ और सहयोगी संस्थाओं सहित सभी

वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति भी आभार जताया। डा. राजेश झा ने अपने डेढ़ वर्षों के कार्यकाल में पंक कार्ड, सैम्पल ट्रांसपोर्ट, डेंगू मुक्त हास्टल, मातृ सेवा, ई-आरोग्य पाठशाला और टीम इलेवन जैसे कई अभिनव प्रयोगों से स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया। मातृ मृत्यु को नियंत्रित करने और सी.सेक्शन डिलेवरी को सुदृढ़ करने में डा. झा की अहम भूमिका रही। उनके नेतृत्व में प्रदेश का पहला सिटी पाली क्लिनिक गोरखपुर के बसंतपुर शहरी स्वास्थ्य केंद्र पर खोला गया।

एनसीसी कैडेटों को फायरिंग का दिया गया प्रशिक्षण

त्रिनाथ संवाददाता

गोला,गोरखपुर। 15 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी, गोरखपुर द्वारा रामगिरीश राय पीजी कॉलेज, दुबेली में आयोजित दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन एनसीसी कैडेटों को ड्रिल, पेरड मार्चिंग तथा फायरिंग का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के कैप कमांडेंट कर्नल अमृत्यु प्रताप सिंह के निर्देशन में कैडेड्स ने पेरड मार्चिंग, अनुशासन एवं सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास किया। सुबेदार मेजर आर.के. शर्मा तथा हवलदार अनूप के मार्गदर्शन में कैडेड्स को फायरिंग का अभ्यास कराया गया। इस दौरान उन्हें फायरिंग की प्रक्रिया, सुरक्षा संबंधी सावधानियों तथा हथियारों के सुरक्षित संचालन के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में कैडेड्स के सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता एवं टीम भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इनमें रस्साकशी,



वर्ग में ककराखोर के शुभम और बालिका वर्ग में बड़ेरिया की सपना ने बाजी मारी। 200 मीटर दौड़ में भी शुभम और सपना ने प्रथम स्थान हासिल किया। खो-खो प्रतियोगिता में प्राथमिक स्तर के बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में प्राथमिक विद्यालय महावीर छपरा विजेता रहा। वहीं, उच्च प्राथमिक बालिका वर्ग में बड़ेरिया की टीम ने जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के दौरान कबड्डी, ऊंची कूद, लंबी कूद, चक्का फेंक और गोला फेंक सहित विभिन्न खेलों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर संकुल ककराखोर के शिक्षक सर्वेश्वर तिवारी, संगीता

श्रीवास्तव, वीरभद्र सिंह, नितिन सिंह, प्रवीण यादव, सुनील कुमार, रमेश चौरसिया, प्रेम गुप्ता, बृजेश नाथ तिवारी, वीरेंद्र

प्रताप, नारायण सिंह, क्रिश्चियन पांडेय, अजीत तिवारी, अमरेंद्र प्रताप सिंह, रीना शाही, स्मिता चतुर्वेदी, हिना यामीन और चंद्रज्योति सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने प्रतियोगिता के संचालन में सहयोग किया।

राजकुमार ने नौ कन्या पूजन व हवन कर की व्रत की पूर्णाहुति

त्रिनाथ संवाददाता

गोला,गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र के नगर पंचायत बड़हलंगज वार्ड नंबर 10 निवासी अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला उपाध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजकुमार जायसवाल ने अपनी धर्मपत्नी पुर्व सभासद कुसुम देवी जायसवाल के साथ नवरात्रि पर्व पर 9 दिन का व्रत रखने के पश्चात नवमी पर विधि विधान से यज्ञ हवन व कन्या पूजन कर माँ दुर्गे की आराधना की और व्रत का किया पूर्णाहुति। इस मौके पर श्री जायसवाल ने मां दुर्गे के नौ स्वरूपों की प्रतीक नौ कुंवारी कन्याओं के पांव पखारे और चुनरी ओढ़ाकर महाआरती उतार कर श्रद्धा पूर्वक हलवा-पुड़ी, फलाहार का भोजन ग्रहण कराया तथा दान दक्षिणा और उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात श्री जायसवाल ने कहा कि माता रानी सबके दुखों को दूर कर उन्हें सुख समृद्धि प्रदान करें।



भारतीय रेलवे ने इस साल अक्टूबर में कोयला लदान का सर्वकालिक उच्च रिकॉर्ड बनाया

छमाही के दौरान, थर्मल पावर प्लांटों को प्रति दिन औसतन 430 कोयला रैक (मालगाड़ी के विशेष डिब्बे जिसका उपयोग कोयला खदानों से थर्मल पावर प्लांटों, उद्योगों और अन्य बिजली उत्पादन केंद्रों तक बड़े पैमाने पर कोयले की ढुलाई के लिए किया जाता है) रवाना किए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि है। यह निरंतरता सितंबर 2026 में भी जारी रही और

सितंबर 2025 की तुलना में कोयला रैक रवानगी में प्रति दिन 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कोयला ढुलाई की निरंतर गति बढ़ती ऊर्जा खपत और उच्च औद्योगिक उत्पादन तथा देश के कुछ हिस्सों में कम बारिश के कारण कोयला आधारित बिजली उत्पादन की बढ़ती मांग के बीच आई है। लगातार कोयला निकासी से थर्मल पावर प्लांटों में कोयले का स्थिर स्टॉक बनाए रखने में मदद मिली है,

जिससे देश भर में सुचारु बिजली उत्पादन हो सका है। भारतीय रेलवे कोयला पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए कोयला मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है। वह कोयला ढुलाई और आपूर्ति बनाए रखने में विद्युत मंत्रालय के साथ भी समन्वय कर रहा है, जिससे ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार बनाए रखने और देश की ऊर्जा आवश्यकताएं पूरी करने में मदद मिल रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे पर रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के कार्य को प्राथमिकता

त्रिनाथ संवाददाता

गोरखपुर। रेल यात्रियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों एवं आवासीय कॉलोनियों में पानी की टंकियों, वाटर कूलर, टैप, फिल्टर, वितरण बिंदुओं तथा पाइप लाइनों की निरन्तर निगरानी एवं रखरखाव के कार्य को प्राथमिकता दी गई है। रेलवे के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों/स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा पेयजल को सुरक्षित बनाने हेतु अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण, जीवाणु संवर्धन परीक्षण एवं रासायनिक विश्लेषण नियमित रूप से किये जा रहे हैं। रेल यात्रियों और कर्मचारियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना रेल प्रशासन की प्राथमिकताओं में से एक है और यह कार्य अभियान के रूप में निरन्तर चलता रहेगा। लखनऊ मंडल पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मंडल चिकित्सालय/



बादशाहनगर डा. रमेश चन्द तथा अपर मंडल रेल प्रबन्धक/इन्फ्रा भुवनेश सिंह के संयुक्त निर्देशन में मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों/स्वास्थ्य निरीक्षकों ने 12 प्रमुख स्टेशनों एवं 04 मुख्य आवासीय रेलवे कॉलोनियों में कुल 252 अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण तथा 06 जीवाणु संवर्धन परीक्षण किये, जांचोपरान्त सभी जल नमूने निर्धारित मानक के अनुरूप पाये गये। इसी प्रकार, इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर निरन्तर अवशिष्ट क्लोरीन परीक्षण एवं जीवाणु संवर्धन परीक्षण किये गये। वाराणसी मंडल पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों/स्वास्थ्य

निरीक्षकों द्वारा स्टेशनों, आवासीय कॉलोनियों , कोचिंग डिपो, चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केंद्रों, रनिंग रूम, कू लांबी तथा कार्यालयों में पानी की टंकियों, वाटर कूलर, वाटर फिल्टर, पाइप लाइनों एवं पंपिंग प्रणाली की जांच की गई। पूर्वोत्तर रेलवे के सभी स्टेशनों, आवासीय कॉलोनियों एवं कार्यालयों में शुद्ध पेयजल सुनिश्चित करने के लिये यह जांच अभियान निरंतर जारी रहेगा। स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा नियमित परीक्षण किये जा रहे हैं, ताकि यात्रियों और कर्मचारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। रेल यात्रियों एवं कर्मियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना रेल प्रशासन की प्राथमिकता है तथा इसके लिये जल गुणवत्ता की निगरानी निरन्तर जारी रहेगी।

केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने किया गोला बाजार में शिवनेरी चहा का शुभारंभ

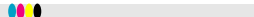
त्रिनाथ संवाददाता

गोला,गोरखपुर। गोला बाजार स्थित सब्जी मंडी में गुरुवार शाम शिवनेरी चहा नाम से चाय की नई दुकान का शुभारंभ हुआ। दुकान के प्रोपराइटर अंशद निषाद के प्रतिष्ठान का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री एवं बांसगांव के सांसद कमलेश पासवान ने किया। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रहीणउद्घाटन समारोह में विद्यार्थक राजेश त्रिपाठी, भाजपा नेता मायाशंकर शुक्ला, श्यामनारायण दुबे, नित्यानंद मिश्रा, रतन प्रकाश दुबे, अनिल भट्ट, अजीत पासवान, देवेश निषाद, अजय रावभर और रामसजीवन निषाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। गोला बाजार की सब्जी मंडी

क्षेत्र में शुरू हुए इस नए प्रतिष्ठान से स्थानीय बाजार में चाय की दुकान का एक नया विकल्प साम शिवनेरी चहा नाम से चाय की नई दुकान का शुभारंभ हुआ। दुकान के प्रोपराइटर अंशद निषाद के प्रतिष्ठान का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री एवं बांसगांव के सांसद कमलेश



जुड़ा है। दुकान के संचालक अंशद निषाद ने अपने प्रतिष्ठान का नाम शिवनेरी चहा रखा है। दुकान को शुद्ध एवं गुणवत्ता चाय के नाम से प्रस्तुत किया जा रहा है। उद्घाटन के दौरान उपस्थित लोगों ने प्रतिष्ठान के शुभारंभ पर अंगद निषाद को शुभकामनाएं दीं। स्थानीय बाजार में नए प्रतिष्ठानों की शुरुआत से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद रहती है।



ओवर लोडिंग से बिगड़ रही सड़कों की हालत

अधिकारियों व माफियाओं की सांठगांठ से बेंदा खदान में अवैध खनन जारी

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा।जनपद के खनन के जिम्मेदार अधिकारियों की संरक्षण में बेंदा खदान में अवैध खनन और ओवरलोडिंग थमने का नाम नहीं ले रहा है। निर्धारित पट्टा आवंटन क्षेत्र से बाहर नदी की जलधारा में अवैध खनन करना खदान संचालक के लिए आम बात हो चुका है। लगातार सोशल मीडिया और समाचार पत्रों के समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों के कानों में जू त कत नहीं रेंग रही है। सूत्रों की मानें तो खदान संचालक को खनिज विभाग के जिम्मेदार और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को पूरी तरह से संरक्षण प्राप्त होने से बेंदा खदान अवैध खनन और ओवरलोडिंग का हॉट स्पॉट बनकर रह गयी है। बेंदा कॉलेज में दिन के उजाले से लेकर राते के अंधेरे तक रोजाना सैकड़ों ओवरलोड बालू पर ट्रकों से नदी से निकाली गयी गीली बालू का परिवहन लगातार बढ़ता ही जा रहा है। जनपद के तिंदवारी थाना क्षेत्र के अन्तर्गत संचालित होने वाली बेंदा खदान एक बार फिर से चर्चा



का विषय बनी हुई है। नदी की जलधारा में अवैध खनन से लेकर ओवरलोड वाहनों का खेल एक बार फिर से इस खदान में शुरू हो चुका है। यही यह कहा जाये कि बेंदा खदान में अवैध खनन और ओवरलोडिंग का जिन्र प्रकट हो गया हैए तो कई अतिशयोक्ति नहीं होगी। खदान के अवैध अवैध खनन की कवरेज करने की टीम के कैमरों में कैद हुई तस्वीरों से साफ तौर पर देखा जा सकता है कि खदान संचाल को प्रशासन के किसी भी आदेश का भय नहीं है। तभी तो ओवरलोड गाड़ियों को लोड कर बालू के अवैध खनन का पहलवानी दावपेंच एक बार फिर से शुरू हो

चुका है।आपको बताते चलें कि जनपद में लगातार हो रहे अवैध खनन बांदा वासियों के लिए अभिशाप बन चुका है। लगातार हो रहे अवैध खनन से जहां एक ओर नदी की जलधारा प्रभावित हो रही है। तो वहीं दूसरी ओर जनपद के तापमान और पर्यावरण संतुलन में भी काफी असर देखने को मिला है। गर्मी के दिनों का बांदा जनपद का तापमान पूरे विश्व में रिकार्ड स्तर पर पर पहुंच चुका है। पर्यावरणविद और वैज्ञानिकों ने इसके लिए जनपद में अवैध खनन को पूरी तरह से जिम्मेदार माना था। लेकिन वर्षाकाल समाप्त होने के बाद एक बार फिर से खनन माफ़ियाओं के हौंसले पहले की तरह ही बुलंद हो चुक है। इस बार शुरू होते ही बेंदा खदान के संचालक और उसके गुणों ने अपना खेल दिखाना शुरू कर दिया है। एक ओर जहां अवैध खनन में मशीनों से चलने से इलाकाई कांप रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर अवैध खनन से प्राप्त बालू को ओवरलोड वाहनों से स्थानीय सड़कें कराह रही हैं। बेंदा खदान शुरू होते ही एनजीटी के निर्देश सहित सरकारी फरमान पूरी तरह से

धराशाही होते नजर आ रहे हैं। सूत्रों की मानें तो खदान से जुड़े लोगों का कहना है कि हमारा खेल पूरी तरह से सेट हैं। हमारी खदान में किसी भी जिम्मेदार अधिकारी की निगाह नहीं पड़ेगी। हमने सभी को सेट कर रखा है। अब देखना यह है कि इस खदान के अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर आखिर कब लगाम लगती है। या फिर बेंदा खदान पूर्व की भांति पहलवानी दांवपेच का अखाड़ा ही बनी रहती हैं।

इलाहाबाद,झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन.2026 के मतदान की तैयारियां पूर्ण

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। जनपद बांदा में 23



अक्टूबर 2026 को प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक 22 मतदान

स्थलों पर इलाहाबाद,झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन.2026 का मतदान संपन्न होगा।भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में मतदान की सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। 22 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट परिसर, बांदा से मतदान पार्टियों को मतपेटिकाएं, मतपत्र एवं निर्वाचन संबंधी आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई।मतदान पार्टियां सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ अपने निर्धारित मतदेय स्थलों पर सकुशल पहुंच गई हैं।मतदान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु 05 जोनल मजिस्ट्रेट, 14 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 22 माइक्रो ऑब्जेक्ट की तैनाती की गई है।जिला निर्वाचन अधिकारी अमित आसैरी द्वारा निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। निर्वाचन संबंधी किसी भी जानकारी के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय, बांदा के कंट्रोल रूम के नंबर 05192.285798 से संपर्क किया जा सकता है।

को. लोकेटेड प्रशिक्षण में किया गया खानापूर्ति, दो दिन में पूरा

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। बेसिक शिक्षा विभाग की लापरवाही इतनी बड़ी है कि प्रशिक्षण को भी कम दिनों में कराकर बजट पूरा निकाला गया। जबकि आंगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकर्त्री का कहना है कि दो दिन प्रशिक्षण दिया गया और हस्ताक्षर तीन दिन के लिए कराया गया है। जबकि जिम्मेदारों का कहना है प्रशिक्षण समय अनुसार दिया गया है जो दिन तय था उसी दिन में हुआ है। 200 रुपए प्रतिदिन प्रति कार्यकर्त्री के हिसाब से आया था तीन दिन का बजट।मामला महुआ बी आर सी का है जहां पर बी ई ओ उदयरराज मौर्य ने बाल विकास परियोजना अधिकारी महुआ को 8 अक्टूबर को पत्र जारी करके आदेश दिया। की महुआ ब्लॉक में 46 आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकर्त्री का को. लोकेटेड के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कराया जाना है। लेकिन पत्र तो जारी हुआ लेकिन प्रशिक्षण केवल दो दिन हुआ है। क्योंकि प्रशिक्षण लेने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री जिनको प्रशिक्षण लेना था उनका कहना है कि हम लोग प्रशिक्षण केवल दो दिन लिया है न कि तीन दिन जबकि हमसे हस्ताक्षर तीन दिन रजिस्टर में कराए गए हैं। जबकि बात करें कि इनके एक दिन का एक केंद्र के

प्रशिक्षण का 200 रुपए प्रति केंद्र प्रति केंद्र के हिसाब से खर्चा आया था जिसको प्रशिक्षण तो दो दिन में दिया गया और विभाग को तीन दिन के लिए बताया गया है। जबकि इस प्रशिक्षण में प्री प्राइमरी के बच्चों को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया है और साथ ही उन केंद्रों को जो परसदीय विद्यालय के कैंपस या उनसे 200 मीटर की दूरी पर स्थित हो उनको यह प्रशिक्षण दिया गया है। जबकि प्रशिक्षण संदर्भदाता अतुल श्रीवास्तव, मुन्नी देवी थी जिनके द्वारा यह प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं बी ई ओ उदयरराज मौर्य ने बताया कि प्रशिक्षण दोन दिवसीय था और तीन दिन ही दिया गया है। जबकि आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकर्त्री ने इस प्रशिक्षण को केवल खानापूर्ति ही बताया है। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों की कार्यकर्त्री ने अपना नाम न छापने की बात कहते हुए बताया कि केवल खानापूर्ति की गई है और दो दिन ही प्रशिक्षण दिया गया है।

घर के पास तालाब में खेलते समय किशोरी डूबी

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। मां घर में खाना बना रही थी और बेटी खेलने के लिए घर बाहर गई हुई थी। लेकिन जैसे ही घर के पास बने तालाब पर शव उतराता दिखा तो तालाब में कपड़े धूल रही

महिलाओं में देखा तो आवाज लगाई तो शव को बाहर निकाला तो मालूम चला कि ये पास वाले घर की बेटी है। जिस पर लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दिवंगत के परिजनों को दी और पुलिस को सूचना दी। मामला गिरवा थाना के सौता सेवड़ा गांव के रहने वाले महेश विश्वकर्मा की तीसरे नम्बर की बेटी अंतिमा उम्र 4 वर्ष गुरुवार की सुबह 8 बजे घर के बाहर खेलने के लिए गई थी। जिसके बाद उसका कुछ पता नहीं चला और अंतिमा की मां मिनी विश्वकर्मा घर में खाना बना रही थी। वहीं घर के सामने ही बने तालाब में मुहल्ले की महिलाएं कपड़े धूल रही थी। की तभी उनको तालाब में एक शव उतराता दिखा और जब उसको निकाला तो मालूम चला ये अंतिमा का शव है तो तुरंत लोगों न इसकी सूचना दिवंगत के परिवार वालों को सूचना दी। जिसके बाद तुरंत माता पिता मौके पर आ गए और इसकी सूचना तुरंत गिरवा थाना को दी गई तो तुरंत मौके पर पुलिस आकर शव का पंचनामा भरा। वहीं दिवंगत बहनों में तीसरे नम्बर की बहन थी और उससे छोटा एक भाई है। और पिता मजदूरी करता है। वहीं परिजनों का री रोकर बुरा हाल है।

बांदा.नरैनी.कालिंजर राज्य मार्ग 113 की बदली जा रही सूरत

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। बुंदेलखंड के ऐतिहासिक अपराजय कालिंजर दुर्ग जाने वाले पयंटकों और स्थानु चलाये के लिए बड़ी खुशखबरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रस्मट्ट कमेक्टिक्टटी विजन के तहत बांदा.नरैनी.कालिंजर राज्य मार्ग 113 की सूरत बदलने का काम किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग इस मार्ग को गड्डमुक और खुबसूरत बनाने के लिए युद्धस्तर पर जुट गया है।कालिंजर दुर्ग आने.जाने वाले देश.विदेश के पर्यटकों के सफर को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए सरकार ने 1.51 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया है। इस राशि से न सिर्फ पूरी सड़क की री.सर्फेसिंग की गयीगी,बल्कि मार्ग पर पड़ने वाले सभी ग्रामीण जंक्शनों का पूरी तरह कायाकल्प किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक इस कायाकल्प से धूल और गड़्ढे से जूझने वाले राहगीरों को हमेशा के लिए निजात मिल जायेगी।

त्रिनाथ संवाददाता

बदौसा-बांदा(बीएनटी संवाददाता)। नवरात्रि उत्सव और दशहरा पर्व के समापन के बाद कस्बे में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। इस वर्ष का विसर्जन यात्रा में सराफा व्यवसायी कंचन ज्वेलर्स द्वारा स्थापित की गई माता की प्रतिमा मुख्य आकर्षण का केंद्र रही, जिसे भव्य रूप से सजाई गई बैलगाड़ी पर विसर्जन के लिए ले जाया गया। विसर्जन कार्यक्रम की शुरुआत में कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों से आई करीब 50 से 60 देव प्रतिमाएं स्वर्गीय कामता प्रसाद शास्त्री इंटर कॉलेज के मैदान में एकत्रित हुईं। यहाँ प्रशासनिक अव्यवस्था से बचने के लिए पुलिस व प्रशासन द्वारा सभी मूर्तियों को टोकन और नंबर बांटे गए। इसके बाद सभी प्रतिमाएं गा.बाजे, जोड़ों और हर मूर्ति के साथ बज रहे

पुत्र की पिटाई से घायल पिता की मौत, मचा कोहशाम

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। जमीन के मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मारपीट में गंभीर रूप से घायल एक बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।चिख्र थाना क्षेत्र के डिघवट गांव निवासी कल्लू 60 पुत्र बदलू को बुधवार दोपहर उनके पुत्र ने डंडों से पीटकर घायल कर दिया था। गंभीर हालत में उन्हें कानपुर रेफर किया गया, जहां परिजनों ने हैलट अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के पुत्र रतिराम ने बताया कि उसके बड़ा भाई मकान बनवा रहा था। इसी दौरान दो फीट जमीन को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और कल्लू व संतराम के बीच मारपीट होने लगी। आरोप है कि संतराम ने डंडों से पीटकर कल्लू को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बाद में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।मकान निर्माण के दौरान जमीन को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया।

डीजे की धुनों पर थिरकते श्रद्धालुओं के साथ अलग.अलग रुटों से नदी घाटों की ओर रवाना हुई।इस दौरान कुछ मूर्तियां कॉलेज ग्राउंड से नई बाजार, हडहा रोड और स्टेशन रोड होते हुए पुरानी बाजार की तरफ बढ़ीं, तो कुछ मूर्तियां सीधे नई बाजार व हडहा रोड से होते हुए बिसाइल नदी विसर्जन घाट पहुंचीं। वहीं कुछ समितियां नदी ओला से होकर सीधे नदी तट गईं, जबकि अन्य मूर्तियां फतेहगंज तिराहा, नंदी टीला और राम जानकी मंदिर होते हुए बागे नंदी विसर्जन के लिए पहुंचीं। पूरे रूट और नदी घाटों पर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद और अलर्ट नजर आया, जिसके चलते पूरा विसर्जन कार्यक्रम बिना किसी बाधा के सकुशल संपन्न हो गया।

सपा नेता शेखर शर्मा ने कराया भव्य भंडारा

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। शारदीय नवरात्रि के समापन

मूर्ति विसर्जन के दौरान यमुना में डूबने से युवक की मौत

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए हादसे में युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घर के इकलौते बेटे की मौत से परिजनों में चीख.पुकार मची हुई है।पैलानी थाना क्षेत्र के मडौली कला गांव में बीती शाम मूर्ति विसर्जन के दौरान यमुना नदी में डूबने से ज्ञानू श्रीवास्तव 20 की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। एसडीआरएफ और गोताखोरों की मदद से नदी में तलाश अभियान चलाया गया। बाद में युवक का शव यमुना नदी के किनारे मिला। ज्ञानू बचपन से ही अपने नाना कैलाश श्रीवास्तव के साथ रहता था। वह परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी बहन पुजा की शादी हो चुकी है। घटना की सूचना पर पैलानी थानाध्यक्ष राममोहन राय, नायब तहसीलदार वेद प्रकाश, एसडीआरएफ की टीम और गोताखोर मौके पर पहुंचे। सभी ने यमुना नदी में युवक की तलाश शुरू की। तलाश

के दौरान ज्ञानू का शव नदी के किनारे मिला। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। ज्ञानू की मौत से परिवार ने अपना इकलौता बेटा खो दिया। अचानक हुए हादसे से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बहन पूजा सहित परिवार के अन्य सदस्यों का रो.रोकर बुरा हाल है।

प्रेमी से मिलने आई महिला की जहरीला पदार्थ खाने से मौत
त्रिनाथ संवाददाता
बांदा।प्रेम संबंधों को लेकर चल रहे विवाद के बीच एक महिला का जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। घटना के बाद दरभंगा में अफरा.तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।नरैनी कोतवाली क्षेत्र के नकटी खेड़ा गांव निवासी दिनेश मुंबई के ऊहासनगर में एक फैक्ट्री में काम करता था। वहीं सुल्तानपुर जिले के अडियाल बिरानी की रहने वाली शीला 30 पत्नी छोटू भी काम करती थी। दोनों के बीच करीब नौ साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। शीला का

दिनेश के घर आना.जाना था। दिनेश की पत्नी मैना इसका विरोध करती थी।उसने इस संबंध में थाने में शिकायत भी की थी। पुलिस ने गांव पहुंचकर समझाया था।बताया गया कि अष्टमी के दिन दिनेश मुंबई से अपने गांव आया था। नवमी के दिन शीला भी उससे मिलने गांव पहुंच गईं। शीला को देखकर मैना ने फिर पुलिस से शिकायत की। इसके बाद दिनेश शीला को नरैनी बस स्टैंड छोड़ने गया। बताया जा रहा है कि बस स्टैंड पर ही शीला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिनेश और शीला मुंबई के ऊहासनगर में एक फैक्ट्री में काम करते थे। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए थे। शीला का दिनेश के घर आना.जाना उसकी पत्नी मैना को पसंद नहीं था। इसी बात को लेकर पहले भी शिकायत की गई थी। मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की।

400 लोगों के साथ सौंपा ज्ञापन

आवास में अनियमितता, अवैध शराब और टूटी सड़कों पर शालिनी सिंह पटेल का हल्लाबोल

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। जनपद की जनसमस्याओं को लेकर जनता दल यूनाइटेड की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड संगठन प्रभारी शालिनी सिंह पटेल के नेतृत्व में गुरुवार को बांदा के आशोक लाट पर जोदार जनसद्वद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद के सभी आठ विकासखंडों से करीब 400 महिलाएं, युवा, किसान, मजदूर और ग्रामीण कार्यक्रम में पहुंचे तथा अपनी समस्याएं उठाई इस दौरान जिलाधिकारी को संबोधित करना नगर मजिस्ट्रेट दिनेश चंद्र को सौंपा गया। ज्ञापन में आवास योजना में कथित अनियमितताओं, अवैध शराब एवं गांजे की बिक्री और हर घर जल योजना के



तहत क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत न होने जैसे गंभीर मुद्दे उठाए गए। शालिनी सिंह पटेल ने मांग की कि कमासिन, बबरे, बिसंडा, नरैनी, जसपुरा, तिंदवारी, महुआ और बडोहर खुद विकासखंडों में आवास योजना की लापरवाही सुविच्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। सर्वे और जियो टैगिंग के बावजूद पात्र गरीब परिवारों को आवास से वंचित रखने तथा अपात्र लोगों को लाभ दिए जाने की शिकायतों

की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने उत्तर प्रदेश में बिहार की तर्ज पर पूर्ण शराबबंदी लागू करने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने तथा अवैध शराब की भंडियों, जहरीली शराब और गांजे की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने की मांग भी की। इसके अलावा हर घर जल योजना के अंतर्गत पाहएलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सीसी रोड, आरसीसी सड़कों और खड्डों की तत्काल मरम्मत कराने तथा लापरवाही करने वाली कार्यदायी संस्थाओं की जवाबदेही तय करने की मांग उठाई गई। शालिनी सिंह

पटेल ने कहा कि गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना और जनता की समस्याओं का समाधान कराना उनकी प्राथमिकता है। प्रशासन को केवल आश्वासन देने के बजाय समयसीमा निर्धारित कर धरातल पर कार्रवाई करनी चाहिए।नगर मजिस्ट्रेट ने मौके पर ज्ञापन प्राप्त किया। इसके बाद सभी लोग कचहरी स्थित डा. भीमराव अंबेडकर पार्क पहुंचे, जहां बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई। कार्यक्रम में जेडीयू जिलाध्यक्ष जुगुल किशोर पटेल, महिला जिलाध्यक्ष पिकी प्रजापति, अतर्रा नगर अध्यक्ष ज्योति मौर्य, रवींद्रनाथ गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सद्दाम हुसैन पूर्व

जिलाध्यक्ष उमाकांत सविता, नगर विकास जिलाध्यक्ष काशी प्रसाद यादव, बिहारीलाल अनुरागी, श्रीराम प्रजापति, संतोष अकेला, भरतलाल कुशवाहा, रितेश गुप्ता, कुलदीप सिंह, बाली तिवारी, पूरम देवी, राम धारी, राजाबेटी, नीतू पूरम, आशा देवी, भूरा निषाद, महेंद्र सहित करीब 400 ग्रामीण, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आतिशबाजी के साथ हुआ रावण दहन, उमड़ा जनसैलाब

त्रिनाथ संवाददाता

बदौसा-बांदा। राष्ट्रीय राजमार्ग 35 बांदा.चित्रकूट.प्रयागराज मार्ग पर स्थित फतेहगंज तिराहे के पास

विजयादशमी का पर्व परंपरागत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। तिराहे पर स्थापित माँ दुर्गा के भव्य पंडाल में विवादी महाआरती के बाद आकर्षक आतिशबाजी के बीच रावण के पुतले का दहन किया गया।मुष्ण तिराहा और राष्ट्रीय राजमार्ग क्षेत्र होने के कारण इस आयोजन को देखने के लिए स7क के दोनों ओर राहगीरों और ग्रामीणों की सैकड़ों गांजों की भीड़ थीड जुट गईं। मर्यादा पुरोचरूपम श्रीराम के जयकारों के बीच जैसे ही पुतले में अग्नि प्रवाहित की गई, आसमान रंग.बिरंगी आतिशबाजी और रोशनी से सराबोर हो उठा। राहगीर और

स्थानीय लोग इस विहंगम दृश्य को अपने कैमरों में कैद करते नजर आए। सड़क मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल लगातार घरत लगाता रहा, जिससे आयोजन निर्विघ्न संपन्न हुआ। कार्यक्रम को शांतिपूर्ण व सफल बनाने में पंडाल समिति के सदस्य महेश चंद्र गुप्ता एवं दीपक गुप्ता उर्फ.तोता सहित सभी पदाधिकारी व क्षेत्रवासी प्रमुख रूप से मुस्तैद रहे।

नीलेश श्रीवास बने सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

त्रिनाथ संवाददाता

बांदा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से और प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की सहमति से निलेश श्रीवास को समाजवादी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश की जिला कार्यकारिणी में जनपद बांदा का जिलाध्यक्ष नामित किया जाता है।उससे पार्टी सूप्रियों ने आशा व्यक्त की है कि समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन.जन तक पहुंचाते हुए संगठन को और अधिक बल एवं गतिशीलता प्रदान करेंगे।